दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 31 | अंकः 207 | भोपाल, बुधवार 12 अगस्त 2026 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

:संपर्क:

9425023929

सीएम शुभेंदु के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में खराब मौसम के कारण मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान मौसम बिगड़ने पर पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पूर्व मेदिनीपुर जिले के कोलाघाट में हेलीकॉप्टर की सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग कराई। गनीमत यह रही कि इस घटना में मुख्यमंत्री समेत सभी लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दमदम से हेलीकॉप्टर के जरिए केशपुर के लिए रवाना हुए थे। उड़ान के दौरान रास्ते में अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ गया। खराब दृश्यता और संभावित जोखिम को देखते हुए, पायलट ने किसी भी तरह का खतरा मोल न लेते हुए एहतियात के तौर पर कोलाघाट के एक खुले मैदान में सुरक्षित लैंडिंग करने का फैसला किया।

ट्रम्प की मीडिया कंपनी को 2200 करोड़ रुपए का घाटा

3 महीने में सिर्फ 16 करोड़ की कमाई, 6 महीने में 6 हजार करोड़ का नुकसान

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) को अप्रैल-जून 2026 में 2,261 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। इस दौरान कंपनी की कुल कमाई सिर्फ 16.15 करोड़ रुपए रही। जनवरी से जून 2026 के बीच टीएमटीजी का कुल नेट लॉस 6,118 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी की कुल कमाई सिर्फ 23.75 करोड़ रुपए थी। यानी छह महीने में कंपनी का घाटा उसकी कुल कमाई से करीब 258 गुना रहा। कंपनी ने अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) को दी रिपोर्ट में बताया कि तीन महीने का घाटा पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले काफी बढ़ा है। डिजिटल एसेट्स से 1,800 करोड़ का नुकसान

टीएमटीजी के घाटे की सबसे बड़ी वजह डिजिटल एसेट्स और शेयरों की कीमत में गिरावट रही। इनकी वैल्यू घटने से कंपनी ने करीब 1,809 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया। इसके अलावा 111 करोड़ रुपए ब्याज और 77 करोड़ रुपए शेयर आधारित भुगतान का खर्च आया। वहीं, कंपनी की कमाई बेहद कम रही। अप्रैल-जून में करीब 13.6 करोड़ रुपए विज्ञापन और 1.7 करोड़ रुपए सब्सक्रिप्शन से मिले। टीएमटीजी का मुख्य प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल है। इसके अलावा कंपनी ट्रुथ+ वीडियो स्ट्रीमिंग और फिनटेक कारोबार चलाती है। पिछले एक साल में कंपनी ने क्रिप्टोकरेंसी कारोबार में भी विस्तार किया है। ट्रुथ सोशल की विजिट एक तिहाई से ज्यादा घटी ट्रम्प ने 2022 में ट्रुथ सोशल शुरू किया था। यह उनका अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। लेकिन यह एक्स और फेसबुक जितना बड़ा नहीं बन पाया है। ऑनलाइन आंकड़े जुटाने वाली कंपनी सिमिलरवेब की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि जुलाई 2026 में ट्रुथ सोशल की वेबसाइट पर आने वाले लोगों की संख्या पिछले साल के मुकाबले एक तिहाई से ज्यादा घट गई।

पहली फील्ड पोस्टिंग में ही 1 करोड़ की रिश्वत

ट्रेनी आईपीएस राहुल बंसल पर सीबीआई कोर्ट सख्त

- अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ के जीडीपी और सीबीआई निदेशक से एक्शन टेकेन रिपोर्ट मांगी है

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ कैडर के 2022 बैच के ट्रेनी आईपीएस अधिकारी राहुल बंसल की पहली फील्ड पोस्टिंग ही गंभीर आरोपों के घेरे में आ गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत में उनके खिलाफ एक साइबर फ्रॉड केस को कथित तौर पर रफा-दफा करने के बदले 1 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की शिकायत पर सुनवाई हुई। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ के जीडीपी और सीबीआई निदेशक से एक्शन टेकेन रिपोर्ट मांगी है। राहुल बंसल इससे पहले आयकर विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। आईपीएस में चयन के बाद उनकी पहली फील्ड पोस्टिंग छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में सीएसपी के तौर पर हुई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान एक साइबर फ्रॉड मामले को खत्म करने या रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 1 करोड़ रुपये की मांग की गई और रकम हवाला के जरिए पहुंचाई गई। 50-50 लाख की दो किस्तों में रकम देने का आरोप शिकायतकर्ता के मुताबिक, कथित 1 करोड़ रुपये एकमुश्त नहीं बल्कि मई 2026 में दो अलग-अलग किस्तों में 50-50 लाख रुपये के रूप में ट्रांसफर किए गए। शिकायत में इन लेन-देन के लिए हवाला माध्यम इस्तेमाल किए जाने का दावा किया गया है। मामले में शिकायतकर्ता की ओर से अदालत के समक्ष कथित डिजिटल साक्ष्य भी पेश किए गए हैं।

केवायसी बनी जी का जंजालः गैस कंपनियां उपभोक्ताओं को भेज रही मैसेज...16 तक ई-केवाईसी करा लें, नहीं तो घरेलू सिलेंडर बंद, उधर, गरीब राशन कार्ड धारकों को नहीं मिल रहा अनाज

केवायसी के नाम पर उपभोक्ताओं से हो रही वसूली और लूट!

- कहीं 16 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर घरेलू गैस सिलेंडर बंद होने का मैसेज पहुंच रहा है

भोपाल। केवायसी कराओ... नहीं तो गैस बंद! केवायसी कराओ... तभी राशन मिलेगा! मध्यप्रदेश में केवायसी अब सुविधा कम और उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल ज्यादा बनती जा रही है। रसोई गैस सिलेंडर से लेकर सरकारी राशन तक, आधार और केवायसी के नाम पर गरीब और आम उपभोक्ताओं को परेशान किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। कहीं 16 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर घरेलू गैस सिलेंडर बंद होने का मैसेज पहुंच रहा है तो कहीं केवायसी कराने पहुंचे उपभोक्ता को कथित नियम का हवाला देकर गैस पाइप थमाई जा रही है। आरोप है कि इसके बदले बिना बिल 190 से 200 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। सबसे गंभीर स्थिति सरकारी राशन दुकानों पर बताई जा रही है। राशन लेने पहुंचे पात्र परिवारों से परिवार के हर सदस्य की केवायसी कराने को कहा जा रहा है। मजदूरी करने वाले परिवारों के सामने पूरे परिवार को लेकर दुकान तक पहुंचना मुश्किल है। आरोप है कि किसी सदस्य की केवायसी नहीं होने पर कई जगह राशन देने से इनकार किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जिस केवायसी का मकसद फजीर्वाड़ा रोकना और पात्र व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचाना है, वही प्रक्रिया गरीब के लिए परेशानी और वसूली का जरिया कैसे बन गई? प्रदेश में करीब 1.73 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ता बताए गए हैं। इनमें से लगभग 39.84 लाख यानी 22.21 प्रतिशत उपभोक्ताओं का सत्यापन बाकी है। गैस कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी जल्द पूरी कराने के संदेश भेजे जा रहे हैं। भोपाल में भी करीब 7.55 लाख घरेलू गैस उपभोक्ताओं में 1.94 लाख की ई-केवाईसी बाकी बताई गई है। यही वजह है कि केवायसी कराने के लिए गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भीड़ बढ़ रही है। उपभोक्ताओं को 16 अगस्त तक आधार आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी कराने की सलाह दी जा रही है। संदेशों में समय पर सत्यापन नहीं कराने पर घरेलू गैस आपूर्ति बाधित होने या कनेक्शन बंद होने जैसी आशंका जताई जा रही है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को निश्चित रूप से कमर्शियल सिलेंडर ही मिलेगा, इसका स्पष्ट आधिकारिक आदेश सामने नहीं आया है।

947 रुपए का सिलेंडर कहीं 2935 रुपए का न पड़ जाए

फिलहाल दिए गए आंकड़ों के अनुसार 14.2 किलो घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 947.50 रुपए, जबकि 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2935 रुपए बताई गई है। यानी घरेलू कनेक्शन की पात्रता प्रभावित हुई तो गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार की रसोई पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है।

केवायसी कराने गए तो पाइप क्यों जरूरी?

सबसे बड़ा सवाल गैस एजेंसियों पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि केवायसी कराने पहुंचने पर उन्हें तथाकथित नियमों का हवाला देकर गैस पाइप लेने के लिए कहा जा रहा है और इसके बदले 190-200 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। शिकायत इससे भी गंभीर इसलिए है क्योंकि आरोप है कि कई मामलों में बिल तक नहीं दिया जा रहा। यदि केवायसी के लिए गैस पाइप खरीदना अनिवार्य नहीं है।

मानसून सत्रः चौथे हफ्ते के दूसरे दिन भी संसद में भारी हंगामा, शाह के बयान पर अड़ा विपक्ष

सत्ता पक्ष और विपक्ष के निशाने पर झारखंड!

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 17वें दिन अजब-गजब नजारा देखने को मिला। एनडीए के सांसदों ने मंगलवार को विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे संसद में चर्चा से भाग रहे हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने एनडीए के प्रदर्शन पर तंज कसा। दरअसल, सत्ता पक्ष और विपक्ष के निशाने पर झारखंड रहा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि झारखंड के युवाओं को न्याय मिलना चाहिए। उन पर जिस तरह से लाठीचार्ज किया गया और ज्यादतियां हुईं, उससे राहुल गांधी की सोच का पता चलता है। इससे साफ होता है कि उनके समर्थकों की सरकार वाले राज्य में युवाओं के साथ कैसा बुरा बर्ताव हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें न्याय से कैसे वंचित रखा जा रहा है। फिर भी, दूसरी तरफ, वे खुद तो सदन में आते नहीं, लेकिन गृह मंत्री से जवाब मांगते हैं। गृह मंत्री जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए झूठ फैला रहे हैं और गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एनडीए के सांसदों पर तंज कसा। उन्होंने कहा, मैंने पहली बार सत्ताधारी पार्टी के सांसदों को विरोध करते देखा है। हमने उन्हें ऐसा करने पर मजबूर किया है। अब उन्हें आगे आकर बयान देना चाहिए। दरअसल, एनडीए के सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर में झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। वहीं अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही नहीं चल सकी।

सार-समाचार

10 लाख के इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में मंगलवार को भाकपा माओवादी के 10 लाख रुपए के इनामी जोनल कमांडर सालुका कायम उर्फ भुवनेश्वर सहित चार सक्रिय नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह आत्मसमर्पण ऑपरेशन नवजीवन-3 के तहत हुआ। पुलिस के अनुसार, ये नक्सली कोल्हान, पोराहाट और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे। आत्मसमर्पण करने वालों में सालुका कायम के अतिरिक्त कोदोमुनी कोड़ा, पिंकी पूर्ती उर्फ सुकांती पूर्ती और अनिता तामसोय उर्फ अनिता कायम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, सालुका संगठन की जोनल कमेटी का सदस्य था। उसके खिलाफ चाईबासा में 90 और सरायकेला में 6, कुल 96 मामले दर्ज हैं। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

कांग्रेस नेता रामगोपाल को ईडी ने किया अरेस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कथित 3400 करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। इससे पहले आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी, अब ईडी आगे की पूछताछ करेगी। गिरफ्तारी के बाद ईडी अब उन्हें कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड मांगने की तैयारी में है। ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने रामगोपाल अग्रवाल को ईडी हिरासत में लेने की पुष्टि की है। आज रामगोपाल अग्रवाल को कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, आरोप है कि शराब घोटाला, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग से जुड़े पैसों को ठिकाने लगाने में रामगोपाल अग्रवाल की भूमिका थी।

26 साल से छिपा बांग्लादेशी घुसपैठिया अरेस्ट

रायपुर। रायपुर के संजय नगर इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब 26 साल से रायपुर में रह रहा था और यहां गाड़ी मैकेनिक का काम करता था। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। आरोपी की पहचान रेहान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह करीब 5 साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ रायपुर आया था। पिछले साल घुसपैठियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान वह अपने माता-पिता के साथ बांग्लादेश लौट गया था। रेहान कुछ दिन पहले दोबारा रायपुर आया और संजय नगर में चोरी-छिपे रहने लगा। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी के परिजनों की तलाश कर रही है।

हेली टैक्सी से 100 रूपए में मणिमहेश यात्रा

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के चंबा में होने वाली मणिमहेश यात्रा में श्रद्धालुओं को इस बार महज 100 रुपए में हेली टैक्सी से भगवान भोले के धाम पहुंचने का मौका मिलेगा। रेड क्रॉस सोसायटी ने पहली बार श्रद्धालुओं के लिए लकी ड्रॉ निकालने का फैसला लिया है। इसकी पर्ची मंगलवार से ऑफलाइन मिलनी शुरू हो गई, जबकि ऑनलाइन वालों के लिए जल्द क्यूआर कोड जारी किया जाएगा। इसके तहत हर सप्ताह लकी ड्रॉ निकाला जाएगा। इसमें चयनित श्रद्धालु को भरमौर से मणिमहेश और वापस भरमौर तक हेली टैक्सी से यात्रा करने का अवसर मिलेगा। रेड क्रॉस सोसायटी के मुताबिक, पहले सप्ताह एक श्रद्धालु का लकी ड्रॉ निकाला जाएगा। यदि लकी ड्रॉ के लिए पर्चियां खरीदने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होता है, तो दूसरे सप्ताह से दो-दो श्रद्धालुओं का चयन किया जाएगा।

10 और 20 रुपए के पॉलीमर नोटों को मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने 10 और 20 रुपए के पॉलीमर बैंक नोट के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी है। दोनों के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोट जारी किए जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने मंगलवार को राज्यसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। आरबीआई ने 10 और 20 रुपए के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोटों के फील्ड ट्रायल का प्रस्ताव दिया था। ट्रायल सफल होने के बाद इन दोनों के पॉलीमर नोट नियमित रूप से जारी किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आरबीआई के मुताबिक, पॉलीमर नोट कागज से बने नोटों के साथ जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पॉलीमर नोटों की खरीद की प्रक्रिया अभी शुरूआती चरण में है।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति वॉर क्राइम के दोषी पाए गए

असद को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

नई दिल्ली। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद को मौत की सजा सुनाई गई है। मंगलवार को सीरिया की एक अदालत ने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद और उनके छोटे भाई माहेर को मौत की सजा सुनाई। यह सजा उन्हें सीरिया के 14 साल लंबे संघर्ष के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों और युद्ध अपराधों के लिए सुनाई गई है। इस संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे। सजा सुनाते वक्त अशद कोर्ट में मौजूद नहीं थे। सीरिया में सत्ता परिवर्तन के बाद बशर अल असद रूस में निर्वासित जीवन गुजार रहे हैं। इसी मामले में असद के ममेरे भाई आतिफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई गई। नजीब पर

दक्षिणी प्रांत दारा में कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था, जिसके कारण विद्रोह हुआ और बाद में गृह युद्ध छिड़ गया। कड़ी सुरक्षा के बीच जब जज सजा सुना रहे थे, तब नजीब कैदी की वर्दी पहने हुए एक पिंजरे के अंदर खड़ा था। दिसंबर 2014 में विद्रोहियों के दमिश्क में घुसने के बाद असद और उनके भाई माहेर रूस भाग गए थे। बाद में नजीब को हिरासत में ले लिया गया और उन पर मुकदमा चलाया गया; वह इस तरह के मुकदमे का सामना करने वाले सबसे ऊंचे ओहदे वाले अधिकारियों में से एक थे। नजीब सीरियाई सेना के पूर्व ब्रिगेडियर जनरल हैं, जो 2011 में असद के शासनकाल के दौरान दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में पॉलिटिकल सिक्योरिटी ब्रांच के प्रमुख थे। असद ने साल 2000 में अपने पिता हाफेज अल-असद की जगह ली और दिसंबर 2024 में सत्ता से हटाए जाने तक सीरिया पर शासन किया। उनके पिता ने लगभग तीन दशकों तक देश पर शासन किया था।

जैसलमेर में स्कूल बस में आग लगी

जैसलमेर। जैसलमेर में मंगलवार सुबह 6:30 बजे चलती स्कूल बस में अचानक भीषण आग लग गई। बस में 17 बच्चे सवार थे। इंजन से धुआं उठते ही ड्राइवर ने तुरंत बस रोककर सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद कुछ ही मिनट में बस आग का गोला बन गई। हादसा सदर थाना इलाके के धऊवा गांव के पास हुआ। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 3 गाडि?ां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग बुझने तक बस जलकर कबाड़ हो चुकी थी। गनीमत रही कि किसी बच्चे को चोट नहीं आई। हालांकि बच्चों के स्कूल बैग, कॉपी-किताबें और बस में रखा अन्य सामान जल गया।

क्रिकेटर अभिषेक पोरेल गिरफ्तार

मेडिकल छात्रा ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल में खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया गया है। एक मेडिकल छात्रा ने अभिषेक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के साथ मारपीट और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, क्रिकेटर को दम दम थाना क्षेत्र स्थित इमामी सिटी से गिरफ्तार किया गया। हुगली के पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह ने बताया कि पोरेल को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले जून में एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पोरेल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसके साथ मारपीट तथा आपराधिक धमकी दी। तीन साल से रिश्ते में होने का दावा शिकायत के अनुसार, महिला का दावा है कि वह और अभिषेक पोरेल करीब तीन वर्षों से रिश्ते में थे। हालांकि, पिछले साल दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद पोरेल ने उससे दूरी बनानी शुरू कर दी। महिला के मुताबिक, पोरेल ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शादी का भरोसा देकर पोरेल ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

पश्चिम बंगाल एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, चुनाव आयोग को नोटिस

पूछा- अब तक कितनी अपीलों का हुआ निपटारा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने आयोग से विशेष रूप से यह बताने को कहा है कि एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ अपीलीय न्यायाधिकरण में कितने मामले दायर किए गए, उनमें से कितने मामलों का निपटारा हो चुका है और कितने अभी लंबित हैं। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले को 25 अगस्त को लंबित मामलों के साथ सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल अपीलों की संख्या बताना पर्याप्त नहीं होगा। चुनाव आयोग को यह भी बताना होगा कि अब तक कितनी अपीलों पर फैसला हुआ और उनके क्या परिणाम रहे। सिर्फ अपीलों की संख्या बताना पर्याप्त नहीं सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने चुनाव आयोग से कहा कि अदालत को निपटाए गए मामलों की वास्तविक संख्या और उनके परिणाम की जानकारी चाहिए। अदालत का मुख्य जोर इस बात पर रहा कि एसआईआर से जुड़े विवादों के निपटारे के लिए बनाए गए अपीलीय तंत्र की प्रभावशीलता कितनी है। पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि कितने लोगों ने मतदाता सूची में नाम हटाए जाने के खिलाफ अपील की, कितने मामलों पर निर्णय दिया गया और कितने मामले अभी विचाराधीन हैं। अदालत का मानना है कि प्रभावित मतदाताओं को समय पर राहत मिलना जरूरी है। अपीलीय न्यायाधिकरण की व्यवस्था पर भी चर्चा सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरण के मौजूदा ढांचे और उसके कामकाज पर भी पुनर्विचार की जरूरत बताई। जस्टिस बागची ने कहा कि व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए भविष्य में कई उपाय किए जा सकते हैं। इनमें न्यायाधीशों तक ऑनलाइन पहुंच जैसी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं, जिससे प्रभावित लोगों को अपनी शिकायतों और अपीलों के निपटारे के लिए अधिक सुविधाजनक व्यवस्था मिल सके। नाम हटाने से ज्यादा अपीलों के निपटारे पर जोर अदालत ने साफ किया कि फिलहाल उसका मुख्य फोकस इस बात पर नहीं है कि मतदाता सूची से किस व्यक्ति का नाम हटाया गया या किसका नाम बरकरार रखा गया। अदालत यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जिन लोगों के नाम एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें अपनी आपत्ति और अपील दर्ज कराने तथा उसका समयबद्ध निपटारा कराने का प्रभावी अवसर मिले। सुप्रीम कोर्ट के इस रुख के बाद अब चुनाव आयोग को अगली सुनवाई में अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित और निपटाए गए मामलों का विस्तृत ब्यौरा देना होगा। 25 अगस्त को होने वाली सुनवाई में अदालत इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की दिशा तय कर सकती है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, बुधवार 12 अगस्त 2026

संपादकीय

सुरक्षित हो डिजिटल वर्ल्ड, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी चिंता

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर डिजिटल वर्ल्ड को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी पर 5000 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कंपनी को बच्चों की सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्म में बदलाव करने के लिए कहा है।बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर अमेरिका की एक अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरंट कंपनी मेटा पर करीब 5,390 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने पिछले साल 60 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी। ऐसे में जुर्माने की रकम से ज्यादा महत्वपूर्ण अदालत का यह आदेश है कि कंपनी को बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने प्लैटफॉर्म में बदलाव करने होंगे।नाकाम रही कंपनी। न्यू मेक्सिको की अदालत ने माना कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदेह है। इन प्लैटफॉर्म को जानबूझकर इस तरह से डिजाइन मेट किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाए। नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने में भी कंपनी नाकाम रही है। यूएस में लगा जुर्माना-की रकम का एक हिस्सा पीड़ितों पर खर्च करने का आदेश दिया है, जो बताता है कि सोशल मीडिया कंपनियां अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकतीं। उनकी वजह से समाज में जो परेशानी शुरू हुई है, उन्हें उसकी कीमत चुकानी होगी। किसी सोशल मीडिया कंपनी को पहली बार इस तरह कटघरे में खड़ा होना पड़ा है और मेटा के लिए परेशानी की बात यह है कि अमेरिका के कई और राज्यों में भी इसी तरह के मुकदमे चल रहे हैं। इससे पहले मार्च में भी मेटा पर 3500 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगा था। गैर-कानूनी कंटेंट-पूरी दुनिया में यह बहस चल रही है कि बच्चों को किस हद तक सोशल मीडिया इस्तेमाल की अनुमति होनी चाहिए। कई देशों ने अपने यहां निश्चित उम्र सीमा भी लागू की है। हालांकि इसके साथ जरूरी मुद्दा यह भी है कि सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाई जाए। भारत में भी मेटा लगातार विवादों में है। पीएम नरेंद्र मोदी के एक विडियो को फेसबुक से हटाए जाने पर उसने माफी मांग ली।यह तकनीकी गलती हो सकती है, पर पेड प्रमोशन के जरिये गैर-कानूनी कंटेंट को बढ़ावा देने की बात उसने खुद मानी है। इस साल जुलाई में केंद्र ने नोटिस भी जारी किया था। बैन उपाय नहीं- अमेरिकी अदालत ने अगले पांच बरसों में मेटा को कई सुरक्षा उपाय अपनाने का आदेश दिया है। इस तरह के कदम बाकी जगहों पर भी उठाए जा सकते है, क्योंकि डिजिटल दुनिया किसी एक देश तक सीमित नहीं रही। हालांकि यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि पूरी तरह बैन उपाय नहीं है, जरूरत जवाबदेही और नियंत्रण की है।

अगर भारत-पाक युद्ध हुआ तो क्या भारत के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्की और सउदी अरब ?

(नीरज कुमार दुबे)

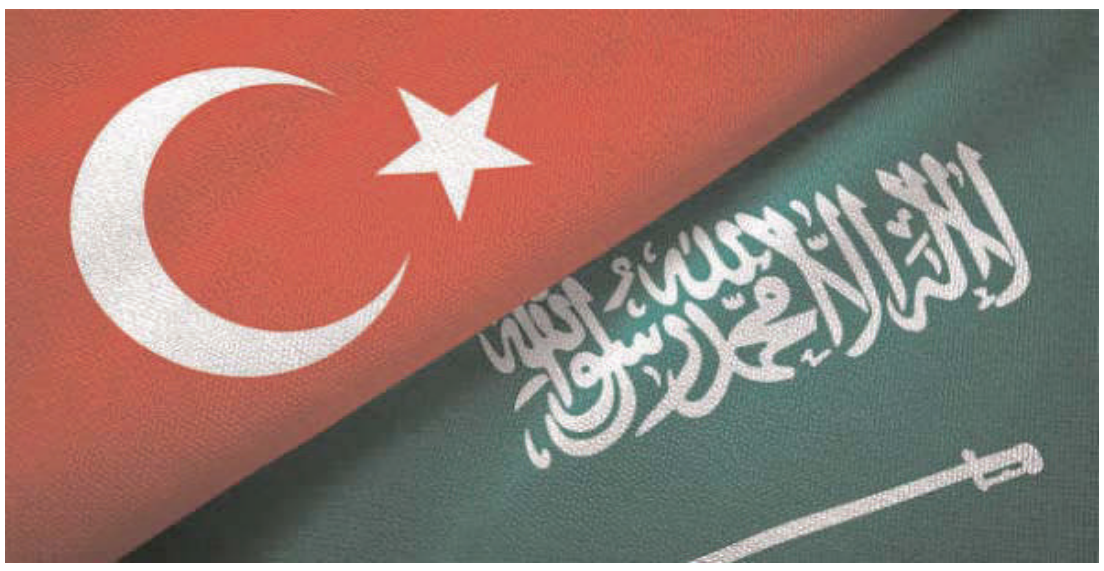

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति-केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर 'सुन्नी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है। देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक-दूसरे की जरूरत बन गए हैं।

क्यों हुआ त्रि-पक्षीय समझौता? – वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है। ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है। वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू-राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है।

यह गठबंधन किसके खिलाफ है? – अब सवाल उठता है कि यह गठबंधन किसके खिलाफ है? इस सवाल का जवाब हालांकि तीनों देशों ने नहीं में दिया है। तुर्किये ने साफ कहा है कि समझौता रक्षात्मक है, यह किसी खास देश या संगठन को निशाना नहीं बनाता और दूसरे क्षेत्रीय देशों के लिए भी खुला है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ दस्तावेज की भाषा नहीं देखी जाती, टाइमिंग भी देखी जाती है। और इस समझौते की टाइमिंग बहुत कुछ कहती है क्योंकि इस समय ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव चरम पर है। ईरान समर्थित हूती, इराकी मिलिशिया और अन्य समूहों की गतिविधियों ने खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंता बढ़ाई है। दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल दिया है। इसलिए यह समझौता भले ही ईरान का नाम न ले, लेकिन ईरान के लिए इसका संदेश साफ है कि सऊदी अरब अब अकेला नहीं है। राजनीति

ईरान की बढ़ेंगी मुश्किलें – वहीं इस समझौते के बाद ईरान के लिए नई चुनौती खड़ी हो गयी है। तेहरान अब तक पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का बड़ा हिस्सा सहयोगी और प्रॉक्सी संगठनों के नेटवर्क के जरिए कायम करता रहा है। लेकिन यदि सऊदी अरब को पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और तुर्किये की रक्षा तकनीक का समर्थन मिलने लगे तो क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। यही कारण है कि मक्का समझौते को ईरान के खिलाफ सीधा सैन्य गठबंधन नहीं होते हुए भी ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती जरूर माना जा सकता है।

इजराइल-अमेरिका को भी संदेश – दिलचस्प बात यह है कि इस गठबंधन का एक और बड़ा संदेश इजरायल के लिए भी है। पश्चिम एशिया में जिस 'सुन्नी धुरी' की चर्चा लंबे समय से होती रही है, वह अब सिर्फ राजनीतिक अवधारणा नहीं रहना चाहती। साथ ही यह अमेरिका के लिए भी खतरे की घंटी है और यह समझौता वाशिंगटन के लिए भी सुखद खबर नहीं है। दरअसल सऊदी अरब और तुर्किये दोनों अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के पुराने साझेदार हैं। लेकिन यदि यही देश अपनी सुरक्षा के लिए अलग क्षेत्रीय सैन्य ढांचा बनाने लगें तो इसका अर्थ साफ है कि अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर भरोसा कम हो रहा है। यही इस समझौते का सबसे बड़ा दीर्घकालिक रणनीतिक अर्थ हो सकता है।

सुन्नी नाटो सिर्फ कल्पना है या हकीकत? – इसके अलावा, यदि मक्का मॉडल सफल होता है और उसमें दूसरे सुन्नी देश शामिल होते हैं, तो पश्चिम एशिया में अमेरिका के नेतृत्व वाली सुरक्षा व्यवस्था के समानांतर एक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा खड़ा हो सकता है। सवाल उठता है कि इसमें और कौन-से देश शामिल हो सकते हैं? इसके जवाब में कतर, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और सीरिया जैसे देशों के नाम संभावित सदस्य के रूप में सामने आ रहे हैं। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि यूएई की कई क्षेत्रीय मुद्दों पर सऊदी अरब और तुर्किये से अलग नीति रही है। साथ ही मिस्र भी किसी ऐसे सैन्य गठबंधन में फंसना नहीं चाहेगा जो उसे सीधे किसी क्षेत्रीय युद्ध में धकेल दे। वहीं सीरिया अपनी युद्धोत्तर परिस्थितियों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। इसलिए 'सुन्नी नाटो' का विस्तार संभव जरूर है, लेकिन आसान नहीं है।

त्रि-पक्षीय समझौते का भारत पर क्या होगा असर? – अब सवाल यह है कि इस रक्षा समझौते का भारत पर क्या असर पड़ेगा और अगर भारत-पाकिस्तान के बीच फिर सैन्य टकराव हुआ तो क्या तुर्किये और सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़े होंगे और भारत के खिलाफ युद्ध लड़ेंगे? देखा जाये तो भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक क्षमता है। तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान का करीबी सैन्य साझेदार है और कश्मीर से लेकर रक्षा सहयोग तक उसका रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। 2025 के भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव में भी अंकारा ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। ऐसे में भविष्य में पाकिस्तान को तुर्किये से ड्रोन, हथियार, तकनीक, खुफिया सहयोग और सैन्य सहायता का अधिक संगठित समर्थन मिल सकता है। हालांकि सऊदी अरब को तुर्किये के साथ एक ही नजर से देखना सही नहीं होगा क्योंकि रियाद के पाकिस्तान से गहरे रक्षा संबंध जरूर हैं, लेकिन भारत भी उसके लिए ऊर्जा, व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग का अहम साझेदार है। इसलिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष की स्थिति में तुर्किये का पाकिस्तान के पक्ष में खुलकर खड़ा होना ज्यादा संभावित है, जबकि सऊदी अरब के लिए सीधे भारत के खिलाफ युद्ध में उतरना आसान नहीं होगा। वह पाकिस्तान को राजनीतिक, आर्थिक या सीमित सैन्य-लॉजिस्टिक मदद दे सकता है, लेकिन मक्का समझौते की मौजूदा सार्वजनिक भाषा से यह नहीं कहा जा सकता कि पाकिस्तान पर हमले की स्थिति में सऊदी और तुर्किये अपने आप भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ देंगे। यही वजह है कि भारत के लिए असली चिंता इस समझौते की 'सामूहिक युद्ध' वाली भाषा से ज्यादा पाकिस्तान को मिलने वाली संभावित अतिरिक्त सैन्य और रणनीतिक ताकत है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

पाकिस्तान का विरोधाभास – हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान का सबसे बड़ा विरोधाभास भी सबके सामने आया है। जिस देश की अपनी सीमाओं पर लगातार तनाव है, जिसे अफगानिस्तान सीमा पर संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है, जिसके बलूचिस्तान प्रांत ने आजादी का ऐलान कर दिया है, जिसके अवैध कब्जे वाले पीओके में विद्रोह और दमन तेज होता जा रहा है, वह देश अब मुस्लिम दुनिया की सामूहिक सुरक्षा का प्रहरी बनने की भूमिका तलाश रहा है।

चुनौतियों की पाठशाला से ही मिलती है जिंदगी की असली सीख

(प्रेरणा अवस्थी)

अगर किसी युद्ध में एक व्यक्ति के पास सारे अस्त्र-शस्त्र विद्यमान हों, लेकिन उसका शत्रु पूरी तरह निहत्था हो, निश्चित ही ऐसे युद्ध का परिणाम पहले व्यक्ति के पक्ष में होगा। मगर गहन विचार किया जाए, तो क्या ऐसी विजय जीते हुए व्यक्ति को कोई नई सीख, नया अनुभव या नया कौशल प्रदान करने में समर्थ होगी? इसका सीधा सा उत्तर है- नहीं। जीवन भी युद्ध का ही एक पर्याय है।

समय-समय पर हमारे सामने उपस्थित होने वाली परिस्थितियां और चुनौतियां युद्ध के शत्रु के बजाय हमारे लिए एक उत्कृष्ट पाठशाला की भूमिका अदा करती हैं। खुद को जानने के लिए जीवन में चुनौतियों की पाठशाला का होना नितांत आवश्यक है।

चुनौतियां और कठिन परिस्थितियां हमें जीवन की सच्चाई के साथ-साथ हमारे भीतर छिपी हुई सामर्थ्य तथा अपार संभावनाओं से रूबरू कराती हैं। चुनौतियों में अपार शक्ति होती है। जिस प्रकार एक पाठशाला व्यक्ति को निरक्षर से साक्षर बना देती है, ठीक उसी तरह चुनौतियां भी हमारे व्यक्तित्व को रूपांतरित कर देती हैं।

यह पूरी तरह सच है कि चुनौतियां सबसे पहले व्यक्ति को विचलित करते हुए उसके आत्मविश्वास को क्षीण करने का प्रयास करती हैं, लेकिन उनकी इस क्रिया का उत्तर कुशलतापूर्वक धैर्य की प्रतिक्रिया से दे दिया गया, तो फिर यही चुनौतियां हमारे व्यक्तित्व को अथाह आत्मविश्वास से भर देती हैं। परिणाम यह होता है कि व्यक्ति साधारण से असाधारण बन जाता है। वास्तव में चुनौतियां मनुष्य को उसकी सीमाओं एवं अद्भुत शक्तियों से परिचित कराती हैं। शांत समुद्र में कोई भी नाविक कुशल नहीं बन सकता। कुशलता सदैव तूफानों से लड़कर ही आती है।

मनुष्य संघर्षों की भट्ठी में तपकर निखरता है। कठिनाइयां हमें धैर्य, संयम, साहस और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाती हैं। यही कारण है कि जिन लोगों ने जीवन में संघर्ष और विषम परिस्थितियों का सामना किया होता है, वे अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील, परिपक्व और मजबूत दिखाई देते हैं।

दरअसल, चुनौतियों से बचने की प्रवृत्ति ही सबसे बड़ी समस्या है। आज व्यक्ति आसान एवं वैकल्पिक मार्ग खोजने में लगा है। वह बिना परिश्रम के उत्कृष्ट परिणाम चाहता है। मगर प्रकृति का स्पष्ट सा नियम है- बिना संघर्ष के विकास संभव नहीं है। बीज अगर मिट्टी के अंधेरे और दबाव को सहन न करे, तो वह वृक्ष कदापि नहीं बन सकता। नदी चट्टानों से न टकराए तो उसका प्रवाह निर्मल नहीं हो सकता।

इसी प्रकार मनुष्य भी चुनौतियों से जूझे बिना परिपक्वता को नहीं प्राप्त कर सकता। चुनौतियों की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वे मनुष्य को आत्ममंथन का अवसर देती हैं। जब सब कुछ अनुकूल होता है, तब व्यक्ति अपनी कमजोरियों पर ध्यान नहीं देता, लेकिन कठिन समय उसे स्वयं से परिचित कराता है। चुनौतियों की पाठशाला में प्रवेश लेकर ही वह समझ पाता है कि उसके भीतर कितनी क्षमता है, कितना धैर्य है और कितनी इच्छाशक्ति है।

कई बार व्यक्ति को अपनी वास्तविक ताकत का पता ही तब चलता है, जब परिस्थितियां उसे पूरी तरह तोड़ने की कोशिश करती हैं। एक सत्य यह भी है कि प्रत्येक चुनौती केवल बाहरी नहीं होती। अनेक संघर्ष और परिस्थितियों के झंझावात मनुष्य के भीतर भी चलते रहते हैं। भय, असुरक्षा, निराशा, हीनभावना और अकेलापन, ये सब मानसिक चुनौतियां हैं।

बाह्य परिस्थितियां तो दिखाई देती हैं, लेकिन भीतर के संघर्ष अक्सर अनदेखे रह जाते हैं। जो व्यक्ति अपने आंतरिक अंधेरों से लड़ना सीख जाता है, वह जीवन की बड़ी से बड़ी कठिनाई का सामना कर सकता है। इसलिए चुनौतियों की पाठशाला केवल बाहरी संघर्षों की ही नहीं, बल्कि आत्मविजय और आत्ममंथन की भी पाठशाला है।

प्रत्येक चुनौती हमारे व्यक्तित्व की नवीन ढंग से रचना करने के लिए ही हमारे समक्ष उपस्थित होती है। यह पूरी तरह हमारे विवेक और धैर्य पर ही निर्भर करता है कि हम उस चुनौतीस्वरूप अमूल्य अवसर को यों ही जाने देते हैं या उसे पूर्ण समर्पण तथा साहस के साथ स्वीकार करके अपने व्यक्तित्व और अंतर्मन के निखार का माध्यम बनाते हैं।

कितना ही प्रचंड झंझावात क्यों न हो, अगर हमने अपने कदम पूरी शक्ति और दृढ़ता के साथ जमा रखे हैं, तो हम विचलित नहीं हो सकते। चुनौतियों के वक्त अगर हमने परिस्थितियों को प्रतिकूल परिवेश के रूप में देखा, तो निस्संदेह हमारी पराजय निश्चित है। चुनौतियों की पाठशाला हमें यह सिखाती है कि प्रतिकूलतम परिस्थिति में भी हम अपनी अंतर्निहित क्षमताओं का महत्तम दोहन करते हुए रचनात्मकता की ओर कैसे अग्रसर हों।

हिमालयी नदियों में बढ़ रहा खतरा, बदलते जलवायु संकट से पहाड़ से मैदान तक मंडरा रही बाढ़ की आशंका

(जयप्रकाश त्रिपाठी)

जलवायु आपदा से अर्थव्यवस्थाएं तहस-नहस हो रही हैं। इसी कारण पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसे बदलाव आ सकते हैं, जिन्हें पलटना असंभव होगा। शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंच सकता है। वैज्ञानिक लगातार आगाह कर रहे हैं कि वर्ष 2030 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ जाएगा। मौसम विज्ञानियों का विश्लेषण बताता है कि वैश्विक तापमान बढ़ने की गति तेज हो रही है और अत्यधिक गर्मी की आवृत्ति भी बढ़ रही है। पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के अंतर्गत तापमान वृद्धि की सीमा अहम है।

वैज्ञानिक लगातार आगाह कर रहे हैं कि वर्ष 2030 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ जाएगा। मौसम विज्ञानियों का विश्लेषण बताता है कि वैश्विक तापमान बढ़ने की गति तेज हो रही है और अत्यधिक गर्मी की आवृत्ति भी बढ़ रही है। पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के अंतर्गत तापमान वृद्धि की सीमा अहम है। ऐसी स्थिति में चरम मौसमी घटनाओं, खाद्य असुरक्षा, विस्थापन और पारिस्थितिकी तंत्र ढहने का जोखिम बढ़ेगा। गर्म हो रही जलवायु से वैश्विक वर्षा रुझानों में भी बदलाव नजर आ रहा है।

'चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज और सिचुआन यूनिवर्सिटी' के वैज्ञानिकों के मुताबिक वैश्विक ताप के कारण होने वाले मौसमी बदलावों से ऊपरी हिमालयी क्षेत्र में नदियों और उनके किनारे बसे इलाकों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। सिंधु, गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और तीस्ता इत्यादि नदियों से लगभग 19 नदियां सीधे जुड़ी हैं, जिनके तेज प्रवाह से जन-धन का व्यापक नुकसान हो सकता है। पहले के मुकाबले दोगुनी तेज गति से ये नदियां, खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे तबाह कर सकती हैं।

हिमालयी नदियों के 1582 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में तापमान की संवेदनशीलता वैश्विक औसत से लगभग आठ गुना ज्यादा है। नदियों की ही तरह इन क्षेत्रों का तापमान भी दोगुनी गति से बढ़ रहा है। नदियों की गति में बदलाव का सीधा संबंध जलवायु आपदा, तापमान और हिमनदों की हलचल से है। हिमालय के आर-पार इस आपदा से बहुत बड़ी आबादी गंभीर रूप से प्रभावित होने का अंदेशा है। ताजा अध्ययन के मुताबिक खास तौर से अरुणाचल प्रदेश की नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए यह भयावह हो सकता है। असम पहले से ही ऐसी आपदाएं झेल रहा है।

जलवायु आपदा से अर्थव्यवस्थाएं तहस-नहस हो रही हैं। इसी कारण पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसे बदलाव आ सकते हैं, जिन्हें पलटना असंभव होगा। शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंच सकता है। वैज्ञानिक लगातार आगाह कर रहे हैं कि वर्ष 2030 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ जाएगा। मौसम विज्ञानियों का विश्लेषण बताता है कि वैश्विक तापमान बढ़ने की गति तेज हो रही है और अत्यधिक गर्मी की आवृत्ति भी बढ़ रही है। पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के अंतर्गत तापमान वृद्धि की सीमा अहम है। ऐसी स्थिति में चरम मौसमी घटनाओं, खाद्य असुरक्षा, विस्थापन और पारिस्थितिकी तंत्र ढहने का जोखिम बढ़ेगा। गर्म हो रही जलवायु से वैश्विक वर्षा रुझानों में भी बदलाव नजर आ रहा है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि दुनिया भीषण गर्मी की ओर बढ़ रही है। यह लगभग तय है कि अगले पांच वर्षों के दौरान वैश्विक तापमान रिकॉर्ड स्तर पर या फिर उसके आसपास बना रहेगा। ब्रिटेन के मौसम विज्ञान विभाग ने इस रिपोर्ट में पिछले पांच वर्षों की जलवायु का आकलन और अगले पांच वर्षों में तापमान, बारिश और बर्फबारी के रुझानों का अनुमान रेखांकित किया है। वर्ष 2026 से 2030 के दौरान, इस बात की लगभग 86 फीसद आशंका है कि कम से कम एक वर्ष, रिकॉर्ड स्तर पर सर्वाधिक गर्म वर्ष होने का मामला सामने आए। अगले पांच वर्ष की अवधि में, कम से कम एक वर्ष के दौरान औसत वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

बीती जुलाई में, हिमालयी क्षेत्रों से लेकर अमेरिका के टेक्सास प्रांत के ग्रामीण इलाकों तक आई भीषण बाढ़ की घटनाओं में कई लोग जान गंवा चुके हैं। इस बीच, समय-पूर्व चेतावनी प्रणालियों की गंभीर खामियां भी उजागर हुई हैं। वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि इस विनाश के पीछे तेजी से हो रहा शहरीकरण, भूमि उपयोग में बदलाव और जलवायु परिवर्तन जैसी वजहें हैं, जिनसे वातावरण में नमी बढ़ रही है और बाढ़ का खतरा भी लगातार गहराता जा रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अतिरिक्त एक डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर, वायुमंडल लगभग सात फीसद अधिक जलवाष्प अपने भीतर संचित कर सकता है। इस स्थिति से अत्यधिक वर्षा का जोखिम बढ़ रहा है। साथ ही गर्म होती जलवायु के कारण तेजी से पिघलती बर्फ से हिमनद से जुड़ी बाढ़ का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। अकेले बीती जुलाई में ही दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में एक के बाद एक, बाढ़ की घटनाएं देखी गईं। कहीं भारी बारिश, कहीं हिमनद झीलों का विस्फोट और कहीं अचानक आई बाढ़ का कहर टूटा है।

वर्ष 2020 में, दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में भीषण बाढ़ की घटनाओं में साढ़े छह हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी और लगभग 105 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति दर्ज की गई थी। दो साल बाद 2022 में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ से 3.3 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए। इस साल भी यह सिलसिला थमा नहीं है। दक्षिण कोरिया में 16 से 20 जुलाई के बीच रिकॉर्डतोड़ बारिश दर्ज की गई, जहां कुछ इलाकों में वर्षा 115 मिलीमीटर प्रति घंटे से भी अधिक पहुंच गई। इस आपदा में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 13 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा।

बीती जुलाई में अचानक हुई मूसलाधार बारिश ने टेक्सास के पहाड़ी क्षेत्र में तबाही मचा दी, जिसमें सौ से अधिक लोगों की जान चली गई और अनेक लोग लापता हो गए। इसी तरह नेपाल के रसुवा जिले में हिमनद की सतह पर बनी झील के फटने से अचानक आई बाढ़ में कुछ जलविद्युत संयंत्र और एक पुल सहित कई सड़कें बह गईं। इस भीषण घटना में कम से कम 11 लोगों की जान गई। अनेक लोग अब भी लापता हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में बाढ़ अब पहले की तुलना में अधिक बार आ रही है, जबकि दो दशक पहले ऐसी बाढ़ आम तौर पर हर पांच से दस साल में एक बार आती थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में बाढ़ की ऐसी घटनाओं का खतरा तीन गुना तक बढ़ सकता है। एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 1.81 अरब लोग यानी दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी विनाशकारी बाढ़ की जद में है। इस आबादी में से 89 फीसद लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों के हैं।

भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं चिंता का विषय बन गई हैं। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने तबाही मचाई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में कई लोग अब भी लापता हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश से जन-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। नगालैंड में बारिश के बाद भूस्खलन से स्कूल की इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। उत्तराखंड में लगातार बारिश और भूस्खलन से लगभग कई सड़कें बंद हैं। हिमाचल में भी इन दिनों 36 सड़कें बंद हैं। असम के बारह जिले बाढ़ से जूझ रहे हैं।

ठाणे और विशाखापत्तनम में डेटा सेंटर के निर्माण का विरोध, पानी और बिजली के दोहन का लगाया आरोप

मुंबई, एजेंसी। एआई के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को अब स्थानीय स्तर पर कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र के ठाणे और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तम में निवासियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने गूगल-अदानी और अमेजन द्वारा समर्थित विशाल डेटा सेंटर परियोजनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि रिहायशी इलाकों में बन रहे ये डेटा सेंटर स्थानीय जल स्रोतों, बिजली आपूर्ति और भूमि पर अत्यधिक दबाव डालेंगे, जबकि कंपनियां उन्नत कूलिंग तकनीकों का हवाला दे रही हैं।

अमेजन और गूगल ने रखा अपना पक्ष: हालांकि, बढ़ते जनाक्रोश के बीच अमेजन और गूगल ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वे उन्नत एयर-कूलिंग तकनीक का उपयोग कर रहे हैं और स्थानीय पीने के पानी या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सख्त मानकों का पालन करेंगे। गौरतलब है कि यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है, जब केंद्र सरकार डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश को प्रोत्साहित कर रही है। इसी साल फरवरी में हुए एआई इम्पैक्ट समिट में पीएम मोदी ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों से अपने डेटा को भारत में ही रखने का आग्रह किया और देश को एआई बुनियादी ढांचे के केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। भारत में डेटा केंद्रों को 2022 में बुनियादी ढांचे का दर्जा दिया गया, जबकि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में योग्य विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए 2047 तक कर छूट की घोषणा की गई। कई राज्यों ने भी निवेश आकर्षित करने के लिए नीतियां और प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं।

क्यों हो रहा विरोध: ठाणे में बन रहा डेटा सेंटर बल्कुम और माजिवाड़ा में लगभग 53-58 एकड़ में फैली हुई है। विरोध प्रदर्शन के अभियान का नेतृत्व कर रही साधना प्रधान ने कहा कि ठाणे की आधी आबादी टैंकर के पानी पर निर्भर है। रिहायशी इलाके में डेटा सेंटर क्यों बनाया जा रहा है और सभी नागरिकों को परेशानी में क्यों डाला जा रहा है निवासियों का कहना है कि वे तकनीक या एआई के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में देश के सबसे बड़े डेटा सेंटरों में से एक का निर्माण करने के खिलाफ हैं, क्योंकि इससे आबादी पर पड़ने वाले प्रभाव पर पूरी तरह विचार नहीं किया गया। निवासियों ने इसका विरोध तब शुरू किया, जब उन्हें पता चला कि डेटा केंद्रों को आवश्यक सेवाओं की श्रेणी में रखा गया है, जिससे उन्हें चिंता हुई कि पानी और बिजली की कमी के दौरान उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति मिल सकती है।

अमेजन का आया जवाब

इस विरोध के बाद अमेजन का जवाब आया है, उसने कहा कि ठाणे में बन रहे उसके डेटा सेंटर में कूलिंग के लिए पानी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। हम वर्तमान में भारत में अपने किसी भी डेटा सेंटर में कूलिंग के लिए पानी का इस्तेमाल नहीं करते हैं, और न ही कूलिंग के लिए स्थानीय पीने योग्य पानी का उपयोग करते हैं। ठाणे डेटा सेंटर के लिए स्वीकृत जल आपूर्ति परमिट 0.01 एमएलडी है और यह पूरी तरह से बुनियादी मानवीय जरूरतों के लिए है, जिसमें अमेजन कर्मचारियों के लिए शौचालय और पीने का पानी शामिल है। गीगावाट क्लस्टर के रूप में नियोजित यह विशाल परियोजना तीन अलग-अलग स्थानों पर विभाजित होगी। यह परियोजना तारलुवाडा में लगभग 200 एकड़, अदावीवरम-मुदसारलोवा में 120 एकड़ और अनाकापल्ली जिले के रामबिल्ली में 160 एकड़ क्षेत्र में फैली होगी।

सरकारी कार्यक्रमों में तमिल एंथम अनिवार्य, तमिलनाडु विधान सभा में प्रस्ताव पेश; डीएमके-एआईडीएमके ने किया समर्थन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव के तहत राज्य भर में सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत तमिल थाई वाजथु गाना अनिवार्य कर दिया गया है। विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए विजय ने कहा कि उनकी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार तमिलनाडु के भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने विधायकों से इस कदम का समर्थन करने के लिए राजनीतिक मतभेदों को भुलाने की अपील की।

'मां की तरह पवित्र है हमारी मातृभाषा': विजय ने भावुक भाषण में कहा, 'हमारी मातृभाषा उतनी ही पवित्र है जितनी हमारी मां।' उन्होंने आगे कहा, 'तमिल सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारा जीवन और हमारी भावनाएं भी है। तमिल का मतलब है गर्व, तमिल का मतलब है शक्ति।' उन्होंने कहा, 'जिस पल आप तमिल कहते हैं, पूरा तमिलनाडु एकजुट होकर एक साथ खड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु में तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान मिलना चाहिए।

तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान देना हमारा राज्य का अधिकार है।' तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सभी पार्टियों के सदस्यों से प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा, 'तमिल थाई वाजथु को सबसे पहले गाया जाना चाहिए, इस बात को लेकर कोई राजनीतिक बहस नहीं होनी चाहिए।'

डीएमके और एआईएडीएमके ने भी किया समर्थन: इस प्रस्ताव के तहत, तमिलनाडु में शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सबसे पहले तमिल थाई वाजथु गाया जाएगा। इस प्रस्ताव को डीएमके और एआईएडीएमके दोनों दलों के विधायकों का समर्थन मिला। सदस्यों ने सरकारी कार्यक्रमों में राज्य गीत गाना अनिवार्य करने के सरकार के कदम का समर्थन किया। यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय की हालिया सलाह के बीच उठाया गया है, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् बजाने के 28 जनवरी के निर्देश का पालन करने को कहा गया था। यह कदम गृह मंत्रालय के 9 जुलाई के उस निर्देश की पृष्ठभूमि में भी उठाया गया है जिसमें सरकारी कार्यक्रमों में राज्य गीत गाने के बारे में बात कही गई थी।

प्रस्ताव में क्या कहा गया है

प्रस्ताव में तमिल थाई वाजथु को तमिल भाषा और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक बताया गया है और इसके अनिवार्य गायन को संविधान के तहत गारंटीकृत भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से जोड़ा गया है। प्रस्ताव में कहा गया है, 'यह सदन (तमिलनाडु विधानसभा) इस बात पर जोर देता है कि तमिल थाई वाजथु तमिल भाषा और तमिल संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। भारत के संविधान द्वारा दिए गए भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों के तहत और तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के उद्देश्य से तमिलनाडु विधानसभा सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित करती है कि तमिलनाडु के सभी शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत में तमिल थाई वाजथु का गायन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।' इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी शास्त्रीय भाषाओं में से एक है और तमिल सभ्यता को दुनिया की सबसे पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं में से एक बताया गया है। तमिलनाडु ने सबसे पहले 23 नवंबर, 1970 को जारी एक सरकारी आदेश के जरिए यह निर्देश दिया था कि सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में तमिल थाई वाजथु गाया जाए। राज्य सरकार ने 12 दिसंबर, 2021 को औपचारिक रूप से इस गीत को राज्य गीत का दर्जा दिया और पूरे राज्य में सरकारी कार्यक्रमों और संस्थानों में इसे गाना अनिवार्य कर दिया। तमिल थाई वाजथु, 1891 में मनोन्मनीयम सुंदरनार द्वारा लिखे गए नाटक मनोन्मनीयम से ली गई मदर तमिल (तमिल भाषा की देवी) की स्तुति है।

हाईवे पर मिला खून से लथपथ शव, पुलिस को पत्नी और बेटे पर हत्या का शक

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में पिलरू कस्बे के पास तिरुपति हाईवे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला है। युवक की पहचान 47 वर्षीय सुब्रह्मण्यम के रूप में हुई है। शुरुआती तौर पर इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। लेकिन मृतक के पिता के आरोपों, घर में मिले खून के धब्बों और फुटेज ने मामले का रुख बदल दिया। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों के चलते सुब्रह्मण्यम की घर पर ही हत्या की गई और फिर शव को हाईवे पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी उमादेवी और बेटे लोहित को हिरासत में ले लिया है और दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यह एक सुनियोजित हत्या थी।

पुलिस को कैसे हुआ संदेह: दरअसल, सुब्रह्मण्यम की मौत के बाद उनके पिता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे, बहू या पोते से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। जब वह उनके घर पहुंचे तो दरवाजा बंद था और उमादेवी और उनका बेटा लोहित दोनों गायब थे। इसके बाद पुलिस ने घर और हाईव तक के रास्तों की जांच की। जांच के दौरान खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस अब इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। जांच में दोपहिया वाहन की आवाजाही और शव के परिवहन के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच

पिलेरू डीएसपी कृष्णा मोहन ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे। युवक के पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि उमादेवी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध था और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

क्या पत्नी का अवैध संबंध बना हत्या का मकसद

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या अवैध संबंध हत्या का मकसद बन सकता था और क्या किसी अन्य व्यक्ति ने शव को ले जाने और ठिकाने लगाने में सहायता की थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या शव को जानबूझकर हाईवे पर रखा गया था ताकि मौत को सड़क दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके।

19 दिन जेल में बिताए, फिर चोरी कर ली पुलिस स्टेशन से कुर्सी बेंगलुरु में जापानी छात्र ने क्यों किया ऐसा काम

बेंगलुरु, एजेंसी। 2019 में अंग्रेजी सीखने और भारत घूमने बेंगलुरु आए जापानी छात्र हिरोतोशी तनाका की लाइफ एक विवाद के बाद उसकी लाइफ पूरी तरह बदल गई। यहां एक कोचिंग सेंटर प्रमुख के साथ हुए झगड़े के बाद आरटी नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर 19 दिनों तक अवैध रूप से जेल में रखा। दरअसल, जापानी छात्र तनाका बेंगलुरु पहुंचकर एक निजी अंग्रेजी अकादमी में दाखिला लिया। वह अकादमी से असंतुष्ट था क्योंकि आरोप था कि कक्षाएं बार-बार रद की जा रही थीं और अनियमित रूप से संचालित हो रही थीं। उसने कहा कि अकादमी प्रमुख से स्पष्टीकरण मांगने के बार-बार प्रयास अनुत्तरित रहे, जिससे तनाव बढ़ता गया। यह विवाद अंततः बहस में बदल गया। उसने आरोप लगाया कि उसे उकसाया गया, जिसके कारण उसे गुस्सा आ गया और उन्होंने अकादमी प्रमुख को घूंसा मार दिया। झगड़े के बाद, आरटी नगर पुलिस ने उसके खिलाफ जानबूझकर चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया। हालांकि, यह अपराध जमानती था, फिर भी तानाका को 23 नवंबर, 2019 को गिरफ्तार कर बेंगलुरु केंद्रीय जेल भेज दिया गया। उसे 11 दिसंबर को रिहा किए जाने से पहले 19 दिन जेल में बिताने पड़े।

7 साल बाद मुकदमा जितने में कामयाब: कानूनी व्यवस्था न समझ पाने, भाषा की दिक्कत और गंभीर मेडिकल स्थिति (ष्ठाष्ठ) के बावजूद वह पुलिस के खिलाफ मुकदमा जीतने में कामयाब रहा। 7 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, कर्नाटक सरकार ने अवैध हिरासत के लिए जापानी छात्र

तनाका को 75,000 रुपये का मुआवजा दिया है। क्योंकि मानवाधिकार आयोग ने माना था कि उन्हें 19 दिनों तक अनावश्यक रूप से न्यायिक हिरासत में रखा गया था।

गिरफ्तार होने के लिए चुराई एसपी ऑफिस की कुर्सी: इस लंबी कानूनी लड़ाई का सबसे अजीबोगरीब मोड़ 28 फरवरी 2021 की सुबह आया, जब आर्थिक तंगी से जूझ रहे और देश छोड़ने का आदेश झेल रहा तनाका आरटी नगर स्थित जेसी नगर एसीपी दफ्तर में घुसा और वहां से एक सफेद प्लास्टिक की कुर्सी उठाई, उसके साथ सेल्फी ली और उसे बीटीएम लेआउट स्थित अपने घर ले आए। दरअसल, हिरोतोशी तनाका का इरादा चोरी करना नहीं था, बल्कि वह चाहते था कि पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले, ताकि इस गिरफ्तारी के बहाने वे भारत में रहकर मानवाधिकार आयोग में दर्ज अपनी शिकायत की कानूनी लड़ाई जारी रख सकें। हिरोतोशी तनाका का उद्देश्य उस 'भ्रष्ट' पुलिसकर्मी का पर्दाफास करना था, जिसने उसे फर्जी केस में फंसाया था। हालांकि, कर्नाटक हाई कोर्ट ने केस खारिज कर दिया, जिसके बाद अधिकारियों ने 28 फरवरी तक भारत छोड़ने का आदेश दिया।

जर्मनी में भारतीय छात्र गिरफ्तार, अमेरिका के एरिजोना में प्रेमिका की हत्या का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी भारतीय छात्र को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। वह जर्मनी पहुंचा, लेकिन वहां से आगे की उड़ान लेने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 20 वर्षीय वरुण बाचिगरी एरिजोना विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र था। उस पर 19 वर्षीय जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को टक्सन स्थित एक अपार्टमेंट में सालाजार की हत्या की गई थी।हत्या के बाद भारत भागने की कोशिशटक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, हत्या के बाद बाचिगरी टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। उसने जर्मनी की उड़ान पकड़ी थी और वहां से भारत जाने की योजना थी। इसी बीच जांचकर्ताओं ने उसके खिलाफ पहले दर्जे की हत्या और अपहरण के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। टक्सन पुलिस, एफबीआई के टक्सन कार्यालय और बर्लिन स्थित एफबीआई लीगल अटैचे कार्यालय के बीच समन्वय के बाद जर्मनी में उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, जर्मनी पहुंचते ही बाचिगरी को हिरासत में ले लिया गया और वह आगे भारत के लिए यात्रा नहीं कर सका।गर्लफ्रेंड बनकर मां को भेजे मैसेजजांच में पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने कथित तौर पर सालाजार का मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड अपने पास रख लिए थे। इसके बाद उसने सालाजार की मां को कई मैसेज भेजे। पुलिस का आरोप है कि उसने सालाजार बनकर ये संदेश भेजे, ताकि परिवार को लगे कि वह जीवित है और हत्या की जानकारी छिपाई जा सके। इन संदेशों से सालाजार के परिवार को संदेह हुआ। परिवार की चिंता के बाद पुलिस ने उसके अपार्टमेंट में जाकर हालचाल जानने के लिए जांच की। वहां अधिकारियों को सालाजार का शव मिला।गर्दन पर मिले गला दबाने के निशानस्थानीय मीडिया के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब चार बजे टक्सन फायर डिपार्टमेंट को अपार्टमेंट में कार्डियक अरेस्ट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने सालाजार को फर्श पर मृत पाया। उसके शरीर पर एक कंबल गर्दन तक खींचा हुआ था। फायर विभाग के कर्मचारियों ने उसके गले पर गला दबाने के निशान और खरोंचें देखीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की हत्या के रूप में जांच शुरू की।पहले भी हिंसक व्यवहार के आरोपगिरफ्तारी वारंट में आरोपी के खिलाफ पहले के हिंसक व्यवहार से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, बाचिगरी के खिलाफ पहले यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना पुलिस विभाग ने एक मारपीट के मामले की जांच की थी।

सीरिया ने रूस के साथ सैन्य ठिकानों के भविष्य को लेकर समझौता किया

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया ने देश में मौजूद रूस के दो सैन्य ठिकानों के भविष्य को लेकर मॉस्को के साथ एक समझौता किया है। इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल पहले हटाए जा चुके राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को समर्थन देने के लिए किया जाता था। अल जजीरा ने रविवार को सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से यह जानकारी दी। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने बताया कि नए समझौते के तहत हमीमिम एयरबेस और तारतूस नौसैनिक अड्डे को 'संयुक्त प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण केंद्रों' में बदला जाएगा। इस व्यवस्था का मकसद दोनों देशों के आपसी हितों को बनाए रखना है। यह समझौता 18 महीने तक चली बातचीत के बाद तैयार हुआ है। समझौते में इस बदलाव को पूरा करने के लिए अधिकतम तीन महीने की समय सीमा तय की गई है। इस बदलाव की प्रक्रिया पूरी होने तक दोनों सैन्य ठिकानों पर मौजूद नागरिक सुविधाएं दमिश्क को सौंप दी जाएंगी। अल जजीरा के मुताबिक, रूस के अधिकारियों ने अभी तक इस समझौते पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। बातचीत जारी रहने के दौरान हमीमिम और तारतूस दोनों सैन्य ठिकाने पूरी तरह से काम करते रहे थे। सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी ने रविवार को इन दोनों जगहों का दौरा किया।

केरलम के गृहमंत्री को खुली चुनौती देने वाला हिस्ट्रीशीटर अर्जुन अयांकी गिरफ्तार

कन्नूर, एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला को इंटरनेट मीडिया के जरिये खुली चुनौती देने और पुलिस अधिकारियों को धमकाने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश अर्जुन अयांकी को रविवार को कन्नूर से गिरफ्तार कर लिया गया। हिस्ट्रीशीटर वह अपराधी होता है जिसका लंबा आपराधिक रिकार्ड होता है तथा जिसका नाम पुलिस थाने के 'हिस्ट्री शीट' (अपराध इतिहास रजिस्टर) में दर्ज होता है। कन्नूर सिटी पुलिस आयुक्त बीवी. विजय भारत रेड्डी ने बताया कि अर्जुन को गिरफ्तार करने ने के लिए पुलिस ने देर रात तक अभियान चलाया। शनिवार सुबह से ही उसकी तलाश की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार अर्जुन को रात करीब 2.30 बजे एक वकील के अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। अर्जुन के खिलाफ 23 मामले दर्ज हैं। हाल ही में उस पर गृह मंत्री चेन्निथला को चुनौती देने और इंटरनेट मीडिया पर मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन को बदनाम करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस क्या एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं।रूस में पटेल की मेजबानी कौन करेगापटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की संभावना पर नजर रहेगी।रूस से 'लेन-देन' की बात क्यों उठीपटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलिएव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस बदले में पूछ सकता है कि उसे क्या मिलेगा। हालांकि, यह टिप्पणी किसी आधिकारिक रूसी प्रस्ताव के तौर पर सामने नहीं आई है। यह केवल संभावित यात्रा को लेकर रूसी पक्ष से की गई अटकल और विश्लेषण है।काश पटेल का रूस से जुड़ा पुराना संदर्भ क्या हैकाश पटेल का नाम पहले भी रूस से जुड़े अमेरिकी राजनीतिक विवादों में सामने आता रहा है।ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान पटेल उन घटनाक्रमों से जुड़े रहे।इनमें 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के अभियान और रूस के कथित संबंधों की जांच पर सवाल उठाए गए थे।पटेल ने इन जांचों को लेकर ट्रंप के पक्ष में रुख अपनाया था।एफबीआई निदेशक बनने के बाद उनकी विदेश यात्राओं को भी अमेरिकी कांग्रेस में करीब से देखा गया है।रूस की प्रस्तावित यात्रा इसी वजह से और ज्यादा संवेदनशील मानी जा रही है।खास बात यह है कि अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर गंभीर मतभेद बने हुए हैं।एफबीआई प्रमुख का रूस दौरा पहले कब हुआ था और अब क्या सवाल हैंआधिकारिक तौर पर रूस जाने वाले अंतिम ज्ञात एफबीआई निदेशक रॉबर्ट म्यूलर थे, जिन्होंने 2013 में रूस की यात्रा की थी। बाद में म्यूलर को विशेष वकील नियुक्त किया गया था और उन्होंने 2016 के ट्रंप राष्ट्रपति अभियान और रूस के कथित संबंधों के साथ अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप से जुड़े आरोपों की जांच की थी। अब काश पटेल की प्रस्तावित यात्रा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह यात्रा सिर्फ सुरक्षा और खुफिया संपर्क तक सीमित रहेगी या यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-रूस संबंधों पर भी बातचीत होगी। क्या पुतिन या वरिष्ठ रूसी अधिकारियों से उनकी मुलाकात होगी। और सबसे बड़ा सवाल यह है कि रूस की ओर से जिस संभावित 'लेन-देन' की बात कही गई है, क्या उसका कोई वास्तविक आधार है या यह सिर्फ राजनीतिक।

तेलंगाना में 54 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त, चार गिरफ्तार; नागपुर ले जाई जा रही थी खेप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के यदाद्री भुवनागिरी जिले में एक प्रतिबंधित नशीली पदार्थ मेफेड्रोन की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए 27 किलोग्राम अवैध पदार्थ की कीमत 54 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध पदार्थ वितरण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर ले जाया जा रहा था। बिबीनगर पुलिस थाने की एक टीम ने 8 अगस्त को कोंडामडुगु गांव के बाहरी इलाके में एक विशेष आपरेशन चलाया और एक कार को रोका। यदाद्री भुवनागिरी के पुलिस अधीक्षक अक्षांश यादव ने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 27 किलोग्राम मेफेड्रोन और दो प्लास्टिक के कैन में नशीले पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला रासायनिक पदार्थ 40 किलोग्राम एसीटोन बरामद किया।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, बुधवार 12 अगस्त 2026

दिल्ली में बेटियों को मिली नई उड़ान, 'विद्या वाहिनी' योजना से साइकिल वितरण

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलकर कई महिला लाभार्थी भावुक हो गईं। मुख्यमंत्री ने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत छात्राओं में साइकिलें बांटीं।

सीएम रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'दिल्ली सरकार प्रदेश की बेटियों का आत्मविश्वास बढ़ाना चाहती है। हमारी सरकार उनके साथ खड़ी है ताकि वे अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। हम उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और भलाई से जुड़ी हर जरूरत को पूरा करना चाहते हैं ताकि जन्म के समय से ही लड़की को 'लखपति योजना' के माध्यम से सशक्त बनाया जा सके।' उन्होंने लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करने पर सरकार के फोकस पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि जैसे ही कोई लड़की बड़ी होकर 9वीं कक्षा में

पहुंचे, उसे साइकिल मिले और वह अधिक स्वतंत्र बने। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य देशभर में लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाना है।' 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत मुख्यमंत्री गुप्ता ने छात्राओं को साइकिलें बांटीं। इस कदम का उद्देश्य शिक्षा तक पहुंच में सुधार करना और लड़कियों के स्कूल जाने को प्रोत्साहित करना है। इस बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक 'लक्ष्मी योजना' को लागू करने में बाधा डालने की कोशिश कर रहे थे। पूर्व भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में विपक्ष की नेता आतिशी के कार्यालय के बाहर भी एक अलग विरोध प्रदर्शन किया गया।

भाजपा नेता हरीश ओबेरॉय ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महिलाएं अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए 'आप' विधायकों के आवासों और कार्यालयों के बाहर जमा हुई थीं।

ओबेरॉय ने कहा, 'ये सभी महिलाएं आम आदमी पार्टी के विधायकों के रुख का विरोध करने आई हैं। हमारी सम्मानित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'लक्ष्मी योजना' शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को 2,500 रुपए मिलेंगे।

बेटियों की पढ़ाई को पंख, रेखा गुप्ता ने बांटी 200 साइकिलें

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा परिसर में 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत कक्षा 9 में पढ़ने वाली 200 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। ये छात्राएं उत्तरी जिले के जोन-7 से हैं। सरकार के मुताबिक, इस वर्ष कक्षा 9 की करीब 1.40 लाख छात्राओं को इस योजना के तहत साइकिलें दी जाएंगी। साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने कहा कि साइकिल मिलने से स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी और पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि दूरी या परिवहन की समस्या किसी भी बेटी की पढ़ाई में बाधा न बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में किया गया निवेश समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। सरकार दिल्ली की बेटियों को शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है।वहीं, शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की स्कूली शिक्षा ऐतिहासिक बदलाव की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 'विद्या वाहिनी योजना' छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी शिक्षा की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सरकारी सेवाओं में देरी पर लगेगा अंकुश, विधानसभा में पेश हुआ नया विधेयक

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को अब सरकारी सेवाएं हासिल करने के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिल सकती है। दिल्ली के आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान 'दिल्ली (नागरिकों का समय पर और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026' विधानसभा में पेश किया। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा में, पारदर्शी तरीके से और बिना अनावश्यक भागदौड़ के उपलब्ध कराना है। यह विधेयक वर्ष 2011 के कानून का स्थान लेगा।

प्रस्तावित कानून के तहत प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सरकारी सेवा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया को अधिक डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी। इसके माध्यम से नागरिक घर बैठे अपने आवेदन की स्थिति की जानकारी ऑनलाइन ले सकेंगे।

विधेयक में व्यवस्था की गई है कि यदि किसी नागरिक को निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो उसका आवेदन स्वतः वरिष्ठ अधिकारी के पास पहुंच जाएगा। इसे स्वचालित उच्चस्तरीय प्रेषण की व्यवस्था के रूप में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य सेवा में अनावश्यक देरी को रोकना और अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है।

बिना उचित कारण सेवा में देरी करने या गलत तरीके से आवेदन खारिज करने वाले अधिकारियों पर आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। ऐसे अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अधिकतम 5,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। गलत तरीके से आवेदन अस्वीकार करने पर भी 250 से 5,000 रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है। हालांकि, कार्रवाई से पहले संबंधित अधिकारी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। विधेयक के अनुसार, सेवा से जुड़ी शिकायत का प्रथम स्तर पर संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा अधिकतम 30 दिनों के भीतर निवारण किया जाएगा। यदि नागरिक इस निर्णय से संतुष्ट नहीं होता है तो वह दूसरी अपील

□ बिना उचित कारण सेवा में देरी करने या गलत तरीके से आवेदन खारिज करने वाले अधिकारियों पर आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। ऐसे अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अधिकतम 5,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।

दिल्ली राइट टू सर्विस कमीशन के समक्ष कर सकेगा।

प्रस्तावित आयोग को सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण करने, अभिलेखों की जांच करने, समन जारी करने और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने जैसी शक्तियां देने का प्रावधान है।

प्रस्तावित कानून पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लागू होगा। इसके दायरे में दिल्ली सरकार के नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ एमसीडी, एनडीएमसी, दिल्ली छावनी बोर्ड, दिल्ली जल बोर्ड, डीडीए और अधिसूचित स्थानीय निकायों एवं संस्थाओं की निर्धारित सेवाएं शामिल होंगी।

दिल्ली के जल नेटवर्क को मिलेगी नई रफ्तार

2,574 करोड़ की वजीराबाद परियोजना मंजूर

नई दिल्ली। दिल्ली की लंबे समय से लंबित वजीराबाद जल आपूर्ति सुधार परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आर्थिक कार्य विभाग की स्क्रीनिंग कमेटी ने वजीराबाद जल शोधन संयंत्र कमांड क्षेत्र के लिए 2,574 करोड़ की एशियाई विकास बैंक सहायता प्राप्त परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। वर्ष 2013 में परिकल्पित यह परियोजना कई वर्षों से लंबित थी। परियोजना के तहत जल शोधन संयंत्र से लेकर जल परिवहन तंत्र, वितरण पाइपलाइनों और घरों तक पानी पहुंचाने वाली व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाया जाएगा। पुरानी, क्षतिग्रस्त और कम क्षमता वाली पाइपलाइनों को बदला जाएगा तथा जरूरत के अनुसार नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। परियोजना का प्रमुख उद्देश्य जल आपूर्ति नेटवर्क की दक्षता बढ़ाने के साथ जल रिसाव, भौतिक जल हानि और अनधिकृत उपयोग से होने वाले नुकसान को कम करना है। वजीराबाद जल शोधन संयंत्र, भूमिगत जलाशयों, पंपिंग व्यवस्था और वितरण नेटवर्क को भी उन्नत किया जाएगा।

जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्लीवासियों के लिए पानी रोजमर्रा की जरूरत है और सरकार का लक्ष्य जल शोधन संयंत्र से लेकर घर तक पूरे तंत्र को मजबूत और भरोसेमंद बनाना है। उन्होंने कहा कि परियोजना केवल मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए

नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। जल आपूर्ति व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए दिल्ली में आठ आपस में जुड़े कमांड केंद्र विकसित किए जाएंगे। इनमें वजीराबाद और चंद्रावल के अलावा पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण क्षेत्र के कमांड केंद्र शामिल होंगे।

इन सभी केंद्रों को एक साझा डिजिटल मंच से जोड़ा जाएगा। इसके जरिए जल प्रवाह, दबाव, जलाशयों के स्तर, पंपिंग केंद्रों और अन्य महत्वपूर्ण ढांचे की निगरानी की जा सकेगी। किसी तरह की समस्या सामने आने पर उसकी पहचान और संबंधित टीम तक सूचना पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

परियोजना के क्रियान्वयन के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवा का प्रस्ताव दिल्ली जल बोर्ड के समक्ष रखा गया है। यह कार्य एनजेएस इंजीनियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एनजेएस कंपनी लिमिटेड, जापान के संयुक्त उपक्रम को 43.77 करोड़ रुपये की प्रस्तावित लागत पर देने का प्रस्ताव है। इसके तहत परियोजना के क्रियान्वयन, तकनीकी प्रबंधन, निगरानी और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राजधानी के जल ढांचे को दीर्घकालिक दिशा देने के लिए छह जल आपूर्ति क्षेत्रों में जल नुकसान कम करने से संबंधित 30 वर्षीय जल मास्टर प्लान तैयार करने का भी प्रस्ताव है। इसके साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने, निविदा प्रक्रिया के प्रबंधन और कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी भी शामिल होगी। यह कार्य हैस्कोनिंग इंडिया कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को 88.63 करोड़ रुपये की प्रस्तावित लागत पर देने का प्रस्ताव है। जल मंत्री ने कहा कि दिल्ली के जल ढांचे की योजना अलग-अलग परियोजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अगले 30 वर्षों को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए।

दिल्ली में कूड़ा प्रबंधन और आवारा पशुओं पर विजेंद्र गुप्ता हुए सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर कूड़ा प्रबंधन और आवारा पशुओं से जुड़ी नागरिक समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दोनों मामलों को एमसीडी संबंधी विशेष समिति को सौंप दिया है। उन्होंने कूड़ा प्रबंधन के मामले में एमसीडी आयुक्त को समिति के समक्ष उपस्थित होकर सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देने और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली नगर निगम को कूड़ा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। समिति के समक्ष निगम को मौजूदा कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था और उसमें किए गए सुधारात्मक उपायों का विस्तृत ब्योरा देना होगा। कूड़ा प्रबंधन का मुद्दा विधायक डॉ. अनिल गोयल ने नियम 280 के तहत विधानसभा में उठाया। उन्होंने कूड़ा जमा होने वाले स्थानों, खुले कूड़ेदानों, पर्याप्त तरीके से कूड़ा न उठाए जाने और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को सदन के सामने रखा। विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जहां कूड़ा संग्रहण का काम करने वाले कर्मचारी अपेक्षित तरीके से काम नहीं कर रहे हैं, वहां उनके प्रदर्शन और जवाबदेही की भी जांच होनी चाहिए। आवारा पशुओं का मुद्दा विधायक हरीश खुराना ने उठाया। उन्होंने दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में सड़कों पर लगातार छोड़े जा रहे आवारा पशुओं की समस्या को सदन के सामने रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अनधिकृत डेयरी संचालक दूध निकालने के बाद पशुओं को सड़कों पर छोड़ देते हैं।

हर घर तिरंगा: गांधी दर्शन से निकली भव्य तिरंगा यात्रा, सैकड़ों बच्चे हुए शामिल

नई दिल्ली। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को गांधी दर्शन, राजघाट में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा लेकर बच्चों ने देशभक्ति के नारे लगाए और राष्ट्रीय एकता व राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया। विजय गोयल ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, त्याग, शौर्य और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आयोजित हर घर तिरंगा अभियान नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना आधुनिक युग के महात्मा गांधी से करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, महात्मा गांधी के सिद्धांतों और आदर्शों के अनुरूप जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विजय गोयल ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने

कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाया गया भारत छोड़ो आंदोलन स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण पड़ाव था। 'करो या मरो' के आ'ान ने देशवासियों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। गोयल ने कहा कि तिरंगा यात्रा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लेने का अवसर है। यात्रा में विभिन्न स्कूलों के बैंड आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। देशभक्ति की धुनों के बीच सैकड़ों विद्यार्थी हाथों में तिरंगा लेकर आगे बढ़े और उत्साहपूर्वक देशभक्ति के नारे लगाए। बच्चों के उत्साह और उमंग से यात्रा का माहौल पूरी तरह राष्ट्रप्रेम से सराबोर रहा। तिरंगा यात्रा गांधी दर्शन से शुरू होकर लाल किला स्थित चरती लाल गोयल पार्क पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। समापन अवसर पर स्कूली बच्चों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. संजीत कुमार समेत समिति के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक और विभिन्न स्कूलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

फटाफट खबरें

जीटी रोड पर थमे वाहनों के पहिए, घंटों जाम में फंसे लोग

साहिबाबाद। डाक कांवड़ियों की आवक सोमवार शाम को बढ़ गई ऐसे में मोहन नगर जीटी रोड पर वाहनों के पहिए थम गए, लोग घंटों जाम में फंसे रहे। मोहन नगर और वजीराबाद रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ने से शाम को घंटों लोग जाम से जूझते रहे। कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में सोमवार दोपहर से डाक कांवड़, झांकियों जैसी सजी कांवड़ गाजियाबाद पहुंचने लगी है। शाम होते-होते कांवड़ियों की बड़ी संख्या जीटी रोड से गुजरने लगी। दूसरी तरफ कार्यदिवस होने की वजह से शाम में सभी दफ्तरों की छुट्टी के बाद सड़क पर वाहनों का भी दवाब बढ़ गया। डाक कांवड़ को निकालने की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था देख रहे पुलिसकर्मियों ने वाहनों को रोक दिया, इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मोहन नगर से मेरठ रोड तक पहुंचने में लोग को एक से डेढ़ घंटे लग गए। उधर, वजीराबाद रोड पर भी कांवड़ यात्रा के चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। करन गेट पुलिस चौकी से भोपुरा तिराहे तक का सफर तय करने में लोगों को काफी समय लगा।

सिर में छर्रा लगने से हुई किशोर की मौत, पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा

साहिबाबाद। अर्थला स्थित निमार्णाधीन इमारत में चोरी के संदेह में समीर की मौत बंदूक से निकले छर्रा सिर में लगने से हुई है। इस बात की पुष्टि किशोर की पोस्टमार्टम में हुई है। किशोर के सिर समेत शरीर में कई जगहों पर छर्रा लगे थे। उधर, पुलिस ने आरोपी सुरक्षाकर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी शुरू कर दी है। परिजनों ने भी अब तहरीर को फिर से बदल कर दिया है और पुलिस अब मुकदमे में धाराएं बढ़ाएगी। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस की जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। किशोर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में कारतूस का छर्रा लगने से मौत की पुष्टि हुई है। परिजनों की ओर से शिकायत मिली है। मामले में समीर के परिजनों की ओर से रविवार को ही तहरीर थाने पर दी गई थी, लेकिन शिकायत में कई बातें विरोधाभासी थीं। इसके चलते परिवार ने पहली तहरीर वापस लेकर सोमवार को थाने पर दोबारा शिकायत दी है। पुलिस दूसरी तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सुरक्षाकर्मी दो अगस्त से ही नौकरी पर आया था। उसे पता चला कि इमारत से लगातार लोहा चोरी हो रहा है। चोरी रोकने का प्रयास किया तो उसकी युवकों से झड़प भी हुई थी। चोरी करने वालों ने वहां तैनात एक गार्ड को भी ईंट मारकर घायल कर दिया था, लेकिन मामले में पुलिस से शिकायत नहीं की गई थी। बता दें कि 17 वर्षीय समीर रविवार को अपने एक दोस्त के साथ अर्थला स्थित पार्श्वनाथ की एक निमार्णाधीन साइट पर गया था। साइट पर तैनात सुरक्षाकर्मी ने लोहा चोरी के शक में उनको डराने के लिए गोली चलाई थी। समीर की कमर और सिर में कारतूस के दर्जनों छर्रे लगे और वह घायल होकर गिर गया। हालांकि इस दौरान उसका दोस्त भाग निकला। गंभीर रूप से घायल समीर को एमएमजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला कारोबारी से 23 लाख की धोखाधड़ी, 11 पर रिपोर्ट दर्ज

लोनी। बाग राणप गांव स्थित गारमेंट फैक्टरी की संचालिका व महिला कारोबारी अंजू देवी ने कारीगरों समेत कई लोगों पर 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। महिला कारोबारी का आरोप है कि उनके घर के पास लोअर व जैकेट बनाने की फैक्टरी है। उसमें गुलहसन, आरिफ, शौकीन, वकील, दिलशाद व शाहरुख आदि कपड़ा कटिंग करते हैं। वकील और शाहरुख ने करीब दो लाख रुपये, आरिफ ने दस हजार, शौकीन ने 28 हजार और शाहरुख ने 11.400 रुपये एडवांस लिए थे। वहीं, शाहरुख के पिता यासीन ने लोनी के रहने वाले मीर हसन, अंजना दास व उसके पुत्र रिंकी दास निवासी गुवाहटी आसाम, शोभित जैन निवासी ज्योति नगर दिल्ली व राशिद निवासी गोकुलपुरी दिल्ली से मिलवाया था। पांचों ने उनकी फैक्टरी से लोअर और जैकेट लेना शुरू कर दिया। माल के जब रुपये मांगे तो यासीन ने करीब 5.81 लाख रुपये, मीर हसन ने 8.29 लाख रुपये, अंजना दास व उसके पुत्र रिंकी दास ने करीब आठ लाख रुपये, शोभित जैन व राशिद ने 1.32 लाख रुपये के चेक दिए। आरोप है कि बैंक में चेक जमा करने पर बाउंस हो गए। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सूर्या की मां ने जताया जान का खतरा, घर और शस्त्र लाइसेंस न मिलने की दी शिकायत

खोड़ा। सूर्या की हत्या के करीब सवा दो माह बाद अब उनकी मां सरोज देवी ने अपनी जान को खतरा बताया है। खोड़ा थाने में उन्होंने मौखिक शिकायत भी की है। सूर्या की मां का आरोप है कि 30 जुलाई को जब वह गली में टहल रही थी, तभी उन्होंने कुछ धर्म विशेष के युवकों को यह बोलते हुए सुना कि सूर्या को मार दिया, अब उसकी मां को मारना है। पीड़िता का कहना है कि युवकों ने उन्हें नहीं पहचाना, वह भी उनकी बात सुन चुपचाप घर के अंदर चली गईं। पीड़िता मां सरोज चौहान का आरोप है कि उन्होंने पूरे मामले की शिकायत खोड़ा थाने के एसएचओ से की तो जवाब में उन्होंने कहा कि वह कोई दूध में पड़ी मक्खी की तरह नहीं है, कोई भी निकालकर फेंक देगा। यह भी कहा कि जो बीता वह एक हादसा था। मृतक की मां का कहना है कि घटना के बाद उन्होंने घर और लाइसेंसी शस्त्र की मांग की गई थी, लेकिन आज तक दोनों में से कुछ नहीं मिला है। बेटे को एजेंसी ने नौकरी जरूर दी है। सरोज का आरोप है कि उनका मामला पुलिस-प्रशासन ठंडे बस्ते में डालने में लगा है। उन्होंने बताया कि थाने स्तर पर सुनवाई न होने पर वह डीसीपी धवल जायसवाल से मिलने उनके कार्यालय भी पहुंची थी, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। वह आवास और शस्त्र लाइसेंस के लिए डीएम के यहां भी गई थीं, लेकिन वे बाहर थे। आरोप है कि उनकी सुरक्षा में भी कटौती की गई है।

गाय पालकों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी, निगम से मांगेंगे रिपोर्ट, सड़कों पर घूमती गायों को लेकर पक्ष-विपक्ष एकमत

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर घूमती गायों की दुर्दशा पर दिल्ली विधानसभा ने चिंता जताई है। विधायक हरीश खुराना द्वारा विधानसभा में उठाए गए सवाल पर पक्ष- विपक्ष एकमत नजर आया। विधायकों की चिंता पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन को आश्वस्त किया है कि वह इस मुद्दे पर

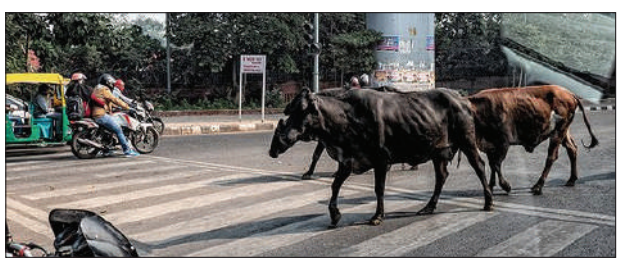

कार्रवाई करेंगे । इसके लिए वह दिल्ली नगर निगम से एक विस्तृत रिपोर्ट माँगेंगे। विधानसभाध्यक्ष के इस आश्वासन से विधायक संतुष्ट दिखे । विधानसभा में सोमवार को नियम 280 के तहत विधायक हरीश खुराना ने सड़क पर घूमती आवारा गायों का मुद्दा उठाया । उनका कहना था कि पशु पालन गायों का दूध निकालकर उन्हें सड़क पर छोड़ देते हैं । सड़क पर घूमती यह गाय दुर्घटना का कारण बनती हैं । आवारा घूमती यह गायें सड़क पर पड़ी पॉलीथिन बगैरह खा लेती है। इस सवाल को गंभीरता से लेते हुए विधानसभाध्क्ष से पहले एक सामूहिक चर्चा कराने को कहा। विधायकों की मांग थी, गायों को छोडने वालों के विरुद कार्रवाई होनी चाहिए । अन्य विधायकों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि देखने में आया है पॉलीथिन खाने से कई गायों की मौत भी हो गयी है।

एक विधायक ने बताया कि बीते कुछ दिनों में दिल्ली में 17 दुर्घटनाएं हुई हैं, इसमें कुछ गौ माताओं की नाले आदि में गिरने से मृत्यु भी हो गयी है ।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश पुलिस की संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध अपनाई जा रही जीरो टॉलरेंस नीति, वैज्ञानिक विवेचना, आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग एवं सतत मॉनिटरिंग के सकारात्मक परिणाम लगातार सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में गुना पुलिस ने थाना फतेहगढ़ क्षेत्र के ग्राम चक चुरेला में हुई चोरी का मात्र 06 दिनों में सफल खुलासा करते हुए सभी आरोपियों की पहचान सुनिश्चित कर ली है। प्रकरण में 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 1 करोड़ 47 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने के आभूषण जब्त किए गए हैं। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। यह सफलता पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन, एसडीओपी गुना श्री विवेक अष्ठाना तथा पुलिस टीमों के सुनियोजित रणनीति, उत्कृष्ट समन्वय और निरंतर फील्ड ऑपरेशन के माध्यम से प्राप्त हुई है। दिनांक 02-03 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि ग्राम चक चुरेला निवासी श्री बाबूलाल मीना के घर से अज्ञात बदमाश तिजोरी ओर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए थे। तिजोरी में लगभग 2 से 2.5 किलोग्राम सोने के आभूषण, लगभग 3 किलोग्राम चांदी के जेवर, 11 लाख 50 हजार रुपये नकद रखे थे। घटना के बाद थाना फतेहगढ़ में अपराध पंजीबद्ध कर विशेष जांच प्रारंभ की गई। घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध नहीं होने के बावजूद पुलिस ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी जांच पद्धति अपनाते हुए फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों, डॉग स्क्वाड, तकनीकी साक्ष्यों के सूक्ष्म विश्लेषण, मजबूत मुखबिर तंत्र, निरंतर फील्ड ऑपरेशन, गहन पूछताछ तथा विभिन्न स्तरों पर प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण कर सभी आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की। पुलिस ने मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों में लगातार समन्वित अभियान चलाकर 08 अगस्त को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने सोने के आभूषण, जिनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 48 लाख रुपये है, बरामद किए हैं। प्रकरण के शेष आरोपियों की गिरफ्तारी एवं शेष चोरी गई संपत्ति की बरामदगी के लिए पुलिस टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। मध्यप्रदेश पुलिस आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रभावी खुफिया तंत्र और समन्वित टीमवर्क के आधार पर अपराधियों के विरुद्ध लगातार निर्णायक कार्रवाई कर रही है। प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन की सुरक्षा एवं विश्वास बनाए रखना मध्यप्रदेश पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित वैधानिक कार्रवाई भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगी। यह कार्रवाई पुनः सिद्ध करती है कि सुदृढ़ नेतृत्व, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विश्लेषण, मजबूत मुखबिर तंत्र तथा समन्वित पुलिसिंग के माध्यम से चुनौतीपूर्ण अपराधों का भी त्वरित एवं सफल अनावरण संभव है।

मंत्री परमार के निर्देश पर प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रवेश का अंतिम अवसर

भोपाल । उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार के निर्देश पर शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश का एक और अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण आयोजित किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 10 से 14 अगस्त 2026 तक संचालित होगी।

रिक्त सीटों पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा प्रवेशः अतिरिक्त ष्टष्ट चरण में प्रवेश केवल उपलब्ध रिक्त सीटों पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दिया जाएगा। रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन के साथ-साथ संबंधित महाविद्यालय के लॉगिन पर भी प्रदर्शित होगी। पंजीकृत विद्यार्थी संबंधित महाविद्यालय में सीधे पहुंचकर प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

विद्यार्थी जिस महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहते हैं, वहां सीट उपलब्ध होने की स्थिति में सीधे महाविद्यालय पहुंचकर प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी अथवा किसी समस्या के समाधान के लिए संबंधित महाविद्यालय के हेल्प सेंटर से संपर्क किया जा सकेगा।अतिरिक्त ष्टष्ट चरण में नवीन पंजीकृत विद्यार्थी केवल एक महाविद्यालय में पंजीयन कर सकेंगे। संबंधित महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर आवश्यक वेरिफिकेशन के उपरांत विद्यार्थी उसी दिन प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। अतिरिक्त ष्टष्ट प्रक्रिया 14 अगस्त को शाम 5 बजे तक संचालित होगी। निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा। 14 अगस्त को शाम 5 बजे के बाद प्राप्त प्रवेश मान्य नहीं होंगे। संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से संचालित की जाएगी।

आम जनता की समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए सदैव तत्पर रहें अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि : परमार

भोपाल । उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा जवाबदेह एवं जनहितैषी प्रशासन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि आमजन की समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए सदैव तत्पर रहें और जनता के बीच निरंतर संवाद एवं जुड़ाव बनाए रखें।

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने शनिवार को पन्ना कलेक्टर कार्यालय सभागार में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी 8 जनवरी तक प्रत्येक शुक्रवार को विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के साथ जनप्रतिनिधि भी क्षेत्र भ्रमण कर आमजन की समस्याओं को सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

संस्कार सुधा फाउंडेशन का आयोजन सतरंगी सावन 15 एवं 16 अगस्त को

स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी एवं अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

भोपाल| नगर संवाददाता

सामाजिक संस्था संस्कार सुधा फाउंडेशन प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सतरंगी सावन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 15 एवं 16 अगस्त 2026 को भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित तुलसी मानस प्रतिष्ठान (मानस भवन) में किया जा रहा है। संस्कार सुधा फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. रश्मि अग्रवाल (सोनू दीदी) ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था द्वारा स्व सहायता समूह तथा गृह उद्योग से जुड़ी बहनों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिससे उनके द्वारा तैयार घरेलू उत्पादों के प्रचार-प्रसार के साथ ही विक्रय किया जा सकेगा। इसके साथ ही सतरंगी सावन में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से महिलाओं द्वारा आकर्षक वस्तुओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। अध्यक्ष डॉ. रश्मि अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिन 15 अगस्त को देशभक्ति पर आधारित नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन तथा 16 अगस्त को गृहणी महिलाओं के लिए 16 श्रृंगार से सुसज्जित पारंपरिक वेशभूषा में तीज क्वीन, फैशन शो एवं सतरंगी सावन के मंच पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सतरंगी सावन कार्यक्रम में शहर की अनेक विभूतियों के साथ ही लगभग 1500 से अधिक अतिथियों के शामिल होने की उम्मीद है। आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाने का अनुरोध है।

राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करेंगी तिरंगा यात्राः उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री विशाल तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

भोपाल| नगर संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल रीवा नगर निगम क्षेत्र में सिरमौर चौक से गंगा वाटिका तक आयोजित विशाल तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने हेमू कालाणी चौक स्थित महान स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय हेमू कालाणी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से प्रारंभ हुए 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी अभियान में लोगों से सहभागिता करने का आह्वान किया।

सभी लोगों से अपने घरों पर भारत के स्वाभिमान के प्रतीक हमारे तिरंगे को फहराने के लिए प्रेरित किया। इस विशाल तिरंगा यात्रा में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर इसे और भव्य बना दिया। तिरंगा यात्रा देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करेंगी।

तिरंगा हमारी आन-बान और शान प्रतीक है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व विधायक श्री के. पी. त्रिपाठी, पूर्व महापौर श्री राजेंद्र ताम्रकार, विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राम सिंह, श्री कमलेश्वर सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मनीषा पाठक सहित बड़ी संख्या गणमान्य नागरिक और आम जन उपस्थित रहे।

भोपाल के आसपास बदलेगी इंडस्ट्री की तस्वीर, 88 पार्क तैयार, 51 नए क्षेत्र बनेंगे, तीन मेगा हब देंगे 11 हजार युवाओं को रोजगार

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल का औद्योगिक दायरा अब सिर्फ बीएचईएल या मंडीदीप तक सीमित नहीं रह गया है। भोपाल सहित रायसेन, सीहोर, राजगढ़ और नर्मदापुरम के 50 किलोमीटर के दायरे में उद्योगों का एक विशाल जाल बिछ रहा है।

इस बेल्ट में वर्तमान में 88 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित हो चुके हैं और 51 नए औद्योगिक क्षेत्र आकार ले रहे हैं। खास बात यह है कि अब केवल भारी उद्योगों पर निर्भरता खत्म हो रही है और अलग-अलग सेक्टर्स के लिए विशेष क्लस्टर तैयार किए जा रहे हैं, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नए रोजगार पैदा होंगे।

सेक्टर आधारित नए क्लस्टर्स का निर्माण : अब अलग-अलग उद्योगों की पहचान के हिसाब से क्लस्टर बन रहे हैं। जैसे, अचारपुरा को गारमेंट और टेक्सटाइल के लिए, तामोट को प्लास्टिक-पॉलिमर के लिए और बड़ियाखेड़ी-आष्टा को लॉजिस्टिक्स व मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के एमडी चंद्रमौली शुक्ला के मुताबिक, प्रदेश में पुरानी इंडस्ट्रीज को रिडेवलप करने के साथ-साथ शहर के भीतर की खाली जमीनों का भी सही इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी के तहत भोपाल में सतगढ़ी और मीनल के आसपास की खाली जमीनों पर नए इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किए जाएंगे।

इन तीन नए हब से मिलेंगे 11 हजार रोजगार : आने वाले समय में भोपाल के पास तीन नए औद्योगिक हब पूरी तरह तैयार हो जाएंगे, जो करीब 11,000 युवाओं को रोजगार देंगेः

- **बैरसिया (एग्रो-फूड प्रोसेसिंग हब):** 33.61 हेक्टेयर में फैले इस इलाके में एग्रो-प्रोसेसिंग, लाइट इंजीनियरिंग और फूड पैकेजिंग की इकाइयां लगाई जाएंगी। वर्ष 2026 के अंत तक यहां निर्माण शुरू करने का लक्ष्य है, जिससे 1,500 से 2,000 रोजगार के अवसर बनेंगे।
- **सतगढ़ी (लाइट इंडस्ट्री हब):** भोपाल की सीमा से लगे इस इलाके में 69.91 हेक्टेयर में ऑटो एंसिलरी, असेंबलिंग यूनिट्स और एमएसएमई (MSME) क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। 2026-27 तक इसके तैयार होने से 3,000 से 4,000 नौकरियां पैदा होंगी।
- **बड़वई (आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स):** राजा भोज एयरपोर्ट के पास बनने वाले इस हब में डेटा सेंटर, आईटी स्टार्टअप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबलिंग के लिए प्लग एंड प्ले की सुविधा होगी। इससे सबसे ज्यादा 4,000 से 5,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों का भी होगा विस्तार : पुराने औद्योगिक क्षेत्रों को आधुनिक रूप दिया जा रहा है, ताकि उत्पादन और निर्यात दोनों बढ़ सकें :

- **मंडीदीप:** यह सबसे बड़ा हब है, जहां 60 हजार से ज्यादा लोग काम करते हैं। यहां 6 मंजिला प्लग एंड प्ले टावर, 96 रेडी-टू-यूज यूनिट्स और 1776 सीटर वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाया जाएगा।
- **अचारपुरा:** गारमेंट सेक्टर वाले इस हब में 6 मंजिला फैक्ट्री ब्लॉक बनेगा और इसका 31.21 हेक्टेयर में विस्तार किया जाएगा।
- **गोविंदपुरा:** इलेक्ट्रिकल और फैब्रिकेशन के इस हब में बंद हो चुकी इकाइयों की जमीन लेकर नए टेक-आधारित स्टार्टअप्स को दी जाएगी।
- **बगरोदा व तामोट:** बगरोदा में 19 हेक्टेयर जमीन पर एग्रो और फार्मा पैकेजिंग का विस्तार होगा, वहीं तामोट में 41 हेक्टेयर भूमि पर नए प्लास्टिक-पॉलिमर उद्योग स्थापित किए जाएंगे।
- **बड़ियाखेड़ी व आष्टा:** लॉजिस्टिक्स और ऑटो पार्ट्स के लिए मशहूर बड़ियाखेड़ी में 55.5 हेक्टेयर भूमि का विस्तार होगा, जबकि आष्टा में एक नया मेगा इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाया जाएगा।

भारी बारिश से भोपाल और बैरसिया के बीच सड़क संपर्क टूटा, पुल के ऊपर बह रही हलाली बाणगंगा नदी

भोपाल, नप्र। भोपाल जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से भोपाल शहर और बैरसिया संपर्क टूट गया है, ईंटखेड़ी पर हलाली बाणगंगा नदी पुल के ऊपर बह रही है। इधर भोपाल कलेक्टर के निर्देश पर आज सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह अवकाश नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए रहेगा।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय भोपाल जिले में अत्यधिक बारिश की स्थिति को देखते हुए लिया गया है। अवकाश का आदेश सभी शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त विद्यालयों पर लागू होगा। इसमें मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बीएस), सीबीएसई, आइसीएसई तथा अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूल भी शामिल हैं।

सभी शिक्षक और कर्मचारी स्कूल आएंगे : हालांकि विद्यार्थियों के लिए स्कूल बंद रहेंगे, लेकिन शिक्षकों और विद्यालयीन कर्मचारियों को अवकाश नहीं दिया गया है। आदेश के मुताबिक सभी शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालयीन समय में अपने कार्यालय में उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी अभिनव आर्य द्वारा 10 अगस्त को जारी आदेश में कहा गया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

निचले इलाकों में जलभराव : उन्होंने बताया कि बारिश और जलभराव को देखते हुए फैसला लगातार बारिश के बीच विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। खासकर निचले इलाकों में जलभराव और बारिश के दौरान आवागमन में आने वाली परेशानी को देखते हुए स्कूलों में विद्यार्थियों की आवाजाही रोकने का फैसला किया गया है।

नई दिल्ली में 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मप को मिली सराहना

भोपाल, नप्र।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विगत दिनों दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्थल तक एयारपोर्ट से मेट्रो रेल से यात्रा की। सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमारे लिये गर्व की बात है कि दिल्ली की मेट्रो रेल वर्ष 2018 से मध्यप्रदेश द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विद्युत से संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो संचालन के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2044 तक निरंतर विद्युत आपूर्ति की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा को बढावा देने के लिये किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर जब प्रेजेंटेशन दे रहे थे, उस समय बेकग्राउण्ड में स्क्रीन पर दिल्ली मेट्रो में सफर संबंधित चित्र प्रदर्शित हो रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री श्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा मध्यप्रदेश श्री मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 750 मेगावाट रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित विद्युत से भी कम स्थापित किया। इस परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसिडेन्ट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस प्राप्त हुआ तथा इसकी केस स्टडी हावर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का महानिदेशक दिल्ली मेट्रो श्री प्रमित गर्ग ने दिल्ली मेट्रो को बगैर किसी निवेश के मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिये आभार जताया।

भोपाल मंडल में 9 से 17 अगस्त तक मनाया जाएगा 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026

भोपाल, नप्र।

देशभर में आजादी के अमृतकाल के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 के तहत भोपाल मंडल में 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

अभियान के दौरान भोपाल मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे परिसरों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं महत्वपूर्ण भवनों को यथासंभव तिरंगा रंगों की आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा।

प्रमुख स्टेशनों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की वाद्य धुन का प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे यात्रियों एवं आमजन में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहन मिलेगा।

भोपाल मंडल द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ यात्रियों और आम नागरिकों को अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा 'सेल्फी विद तिरंगा' अभियान में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को नमन करते हुए प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। भोपाल मंडल इस अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली के 5 प्रमुख स्टेशनों पर 12 से 15 अगस्त तक पार्सल बुकिंग पर प्रतिबंध

भोपाल, नप्र। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दिल्ली क्षेत्र के 5 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 12 से 15 अगस्त 2026 तक पार्सल बुकिंग एवं हैंडलिंग पर रोक रहेगी। यह प्रतिबंध नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों पर लागू रहेगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि उक्त अवधि में इन 5 स्टेशनों पर लीज पर संचालित द्वितीय श्रेणी लगेज रैक डिब्बा, पार्सल वैन एवं डिमांड पार्सल वैन सहित सभी प्रकार के आवक-जावक पार्सल यातायात पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, पार्सल गोदाम एवं प्लेटफॉर्म को पार्सल पैकेज तथा पैकिंग सामग्री से मुक्त रखा जाएगा। इस अवधि में यात्रियों को केवल यात्री डिब्बे में निजी सामान ले जाने की अनुमति होगी। पंजीकृत समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं की बुकिंग निर्धारित वाणिज्यिक औपचारिकताओं तथा सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन के बाद ही की जा सकेगी। यह प्रतिबंध दिल्ली क्षेत्र से चलने वाली गाड़ियों के साथ-साथ अन्य रेलवे जोन एवं मंडलों से आने वाली उन गाड़ियों पर भी लागू होगा, जो उक्त स्टेशनों पर पार्सल की लोडिंग अथवा अनलोडिंग के लिए रुकती हैं।

रेल प्रशासन ने यात्रियों एवं पार्सल ग्राहकों से स्वतंत्रता दिवस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने तथा निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, बुधवार 12 अगस्त 2026

खाना बनाना और सफाई जीवन कौशल हैं, जेंडर रोल नहीं : प्रियंका

बेसिक एडल्टिंग है घर के काम, प्रियंका चोपड़ा ने रखी अपनी बात एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने घर की ज़िम्मेदारियों से जुड़ी जेंडर स्टीरियोटाइप (लिंग-आधारित रूढ़िवादी सोच) के ख़िलाफ़ बात की और कहा कि खाना पकाने और सफ़ाई जैसे कामों को सिर्फ़ महिलाओं की ज़िम्मेदारी नहीं माना जाना चाहिए। इसके बजाय, उनका मानना है कि ये ज़िंदगी के ज़रूरी हुनर हैं जो हर वयस्क (चाहे वह पुरुष हो या महिला) को आने चाहिए। कान्स लायंस में एक इंटरव्यू के दौरान, प्रियंका ने उस पुरानी सोच पर बात की जिसके तहत महिलाओं से घर की ज़िम्मेदारियाँ संभालने की उम्मीद की जाती है, जबकि पुरुषों को अक्सर इनसे छूट मिल जाती है। इस सोच को चुनौती देते हुए, ग्लोबल स्टार ने साफ़ किया कि घरेलू कामों को जेंडर से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।सफ़ाई और खाना पकाना महिलाओं का काम नहीं है। ये बुनियादी तौर पर वयस्क होने के नाते ज़रूरी काम हैं। आलस को जेंडर से न जोड़ें। मनोरंजन की बदलती दुनिया पर प्रियंका बातचीत के दौरान, प्रियंका ने इस बारे में भी बात की कि कैसे टेक्नोलॉजी ने मनोरंजन इंडस्ट्री को बदल दिया है और फ़िल्म बनाना पहले से कहीं ज़्यादा आसान बना दिया है।प्रियंका ने कहा, अगर आप फ़िल्ममेकिंग में आना चाहते थे, तो आपको यह तय करना होता था कि आप किस डिपार्टमेंट में काम करना चाहते हैं। इंडस्ट्री में आना वाकई मुश्किल था। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने इस हकीकत को बदल दिया है, जिससे क्रिएटर्स पारंपरिक इंडस्ट्री स्ट्रक्चर पर निर्भर हुए बिना अपने आइडिया सीधे दर्शकों तक पहुँचा सकते हैं।5 करोड़ उन्होंने आगे कहा, अब, अगर आपको लगता है कि आपके पास कोई आइडिया है, तो उसे शूट करें, और वह ऑब्सेशनजैसी फ़िल्म बन सकती है जो अभी-अभी रिलीज़ हुई है। एंटरटेनर होने और एंटरटेनमेंट बिज़नेस में होने के लिए यह कितना शानदार समय है। प्रोफ़ेशनल तौर पर, प्रियंका के पास कई प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी है। उन्होंने हाल ही में बताया कि वह एक आने वाले प्रोजेक्ट में एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी। फॉर्च्यून इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में, प्रियंका ने इस सहयोग की पुष्टि की लेकिन कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। यह अभी साफ़ नहीं है कि यह प्रोजेक्ट कोई फ़िल्म है, कोई कमर्शियल कैंपेन है या कोई चैरिटी से जुड़ा काम है। वह ऑरलैंडो ब्लूम के साथ भी एक नया वेंचर शुरू करने वाली हैं, जबकि एंजेलिना जोली के साथ उनके जुड़ने की खबर ने फ़ैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। इस बीच, प्रियंका अगली बार एसएस राजामौली की आने वाली फ़िल्म वाराणसी में नज़र आएँगी, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। यह प्रोजेक्ट उन फ़िल्मों में से एक है जिनका बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है।

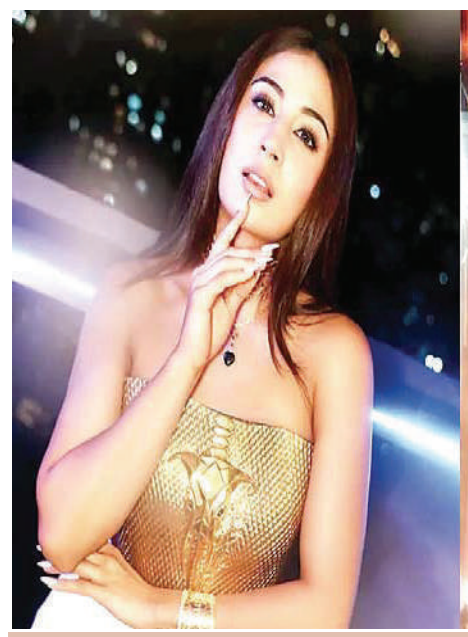

श्रेया कालरा ने ठुकराया Bigg Boss 20 बोलीं बहुत कुछ झेल चुकी

सलमान खान के चर्चित रिएलिटी शो 'बिग बॉस 20' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। शो के नए सीजन की शुरुआत 6 सितंबर 2026 से होने की बात सामने आई है और इसके साथ ही संभावित कंटेस्टेंट्स को लेकर चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। सोशल मीडिया पर हर दिन नए नाम सामने आ रहे हैं। इसी बीच 'लॉकअप सीजन 2' की विनर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेया कालरा का नाम भी 'बिग बॉस 20' के संभावित कंटेस्टेंट के तौर पर चर्चा में था। हालांकि, अब श्रेया ने खुद इन खबरों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। श्रेया कालरा ने अपने इंस्टाग्राम ब्रॉडकास्ट चैनल पर एक वॉयस नोट साझा किया और 'बिग बॉस 20' में बतौर कंटेस्टेंट शामिल होने की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग उनसे शो में जाने को लेकर सवाल कर रहे हैं, उन्हें फिलहाल यह समझ लेना चाहिए कि वह किसी रियलिटी शो में बतौर प्रतिभागी शामिल होने की तैयारी नहीं कर रही हैं। श्रेया ने अपने बयान में अपनी हालिया मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का भी जिक्र किया और कहा कि फिलहाल 'बिग बॉस 20' उनके लिए सही नहीं है। श्रेया ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें शो में किसी अलग भूमिका में शामिल होने का प्रस्ताव मिलता है तो वह उस पर विचार कर सकती हैं। उनके मुताबिक, अगर उन्हें किसी ग्रुप को होस्ट करने, गाइड करने या लीड करने का अवसर दिया जाता है, तो वह इसमें रुचि लेंगी। हालांकि, बतौर कंटेस्टेंट शो में शामिल होने को लेकर उन्होंने साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि प्रतियोगी के तौर पर 'बिग बॉस' जैसे शो का हिस्सा बनना उनके लिए फिलहाल काफी मुश्किल होगा। श्रेया के इस बयान के बाद उनके 'बिग बॉस 20' में शामिल होने की अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है। इससे पहले सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट सर्किल में उनके नाम को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। उनके फैंस भी यह जानने को उत्सुक थे कि क्या वह सलमान खान के शो में नजर आएंगी। अब श्रेया के खुद सामने आकर स्थिति स्पष्ट करने के बाद उनके फैंस को उनकी ओर से आगे किसी आधिकारिक घोषणा का इंतजार रहेगा। वहीं 'बिग बॉस 20' के संभावित कंटेस्टेंट्स को लेकर कई अन्य नाम भी चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, शो के निर्माताओं ने कुछ चर्चित टीवी कलाकारों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों से संपर्क किया है।संभावित नामों में अभिनेत्री माही विज, गीता बसरा और जन्नत जुबैर के अलावा कॉमेडियन सुनील पाल और कंटेंट क्रिएटर शोविक चक्रवर्ती के नाम शामिल बताए जा रहे हैं। अंजलि अरोड़ा और उर्फी जावेद जैसे चर्चित नामों की भी शो को लेकर चर्चा हो रही है। अरबाज पटेल, भागीरथ भट्ट, भाव्या सिंह, रुरु ठाकुर, रिधिमा गुप्ता और तुषार कारवार के नाम भी संभावित कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में बताए जा रहे हैं। हालांकि, इन नामों में से किसी को आधिकारिक तौर पर कंटेस्टेंट घोषित किए जाने तक इन्हें केवल चर्चाएं और संभावित नाम ही माना जाना चाहिए। 'बिग बॉस' का हर सीजन अपने कंटेस्टेंट्स, विवादों, टास्क और घर के अंदर होने वाली गतिविधियों के कारण चर्चा में रहता है। ऐसे में 'बिग बॉस 20' को लेकर भी दर्शकों की दिलचस्पी काफी ज्यादा है। सलमान खान के शो की शुरुआत को लेकर तारीख सामने आने के बाद अब फैंस की नजरें आधिकारिक कंटेस्टेंट लिस्ट और शो के फॉर्मेट पर टिकी हुई हैं।

16 अगस्त तक ओटीटी पर रिलीज होंगी ये धमाकेदार फिल्में और सीरीज

ओटीटी पर इस हफते एक बाद एक फिल्में और सीरीज रीलीज होगी जिन्हे आपको अपनी वॉचलिस्ट में जरूर शामिल करना चाहिए। क्योंकि इनकी कहानी बेहद खास है और आपके दिमाग को एकदम हिला कर रख देगी। हर दिन आपको एक सीरीज या फिल्म ओटीटी पर देखने को मिलेगी। तो इंतजार किस बात का आज यहां हम आपको इन फिल्मों और सीरीज के बारे में बता रहे है इन्हे अपनी वॉचलिस्ट में शामिल कर लें। मोरिन्हा, द लीजेंड ऑफ किचन सोल्जरसीजन 1, फिफटीज प्रोफेशनल्स सीजन 1 रीचर सीजन 4,द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2, कैटलन ,अ चाइल्ड ऑफ माय ओन, कॉकटेल 2,भारत भाग्य विधाता, डोंट से गुड लक।

जाह्नवी ने डीपनेक गाउन में दिखाया फैशन जलवा

बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं जाह्नवी कपूर. जान्हवी कपूर के इंस्टाग्राम पर लाखों फैन्स हैं. एक्ट्रेस इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं जाह्नवी कपूर. जान्हवी कपूर के इंस्टाग्राम पर लाखों फैन्स हैं. एक्ट्रेस इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म %बावल को लेकर चर्चा में हैं. इन दिनों जाह्नवी की ओटीटी रिलीज फिल्म %गुड लक जैरी% हॉटस्टार पर रिलीज हो रही हैं. फिल्म %गुड लक जेरी की शानदार सफलता के बाद भी, जान्हवी कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कुछ चमकदार स्टारडस्ट के साथ, आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं.हाल ही में जाह्नवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं. इस फोटोज में जान्हवी काफी खूबसूरत दिख रही है.इन फोटोज में जाह्नवी ने गोल्डन रंग का बॉडीकॉन गाउन पहना हुआ है. इस ड्रेस के साथ मिनिमम मेकअप की हुई यह बॉलीवुड एक्ट्रेस हुस्न की बिजलियां गिरा रही है.हाल ही में जाह्नवी कॉफी विथ करण में सारा अली खान के साथ शामिल हुई थी. उन्होंने इस दौरान कई बड़े खुलासे करते हुए ऑडियंस को सरप्राइज दिया।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश टी-20

भुवी की लखनऊ फाल्कन्स की नजर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर

बोले- युवाओं के लिए है बड़ा प्लेटफॉर्म

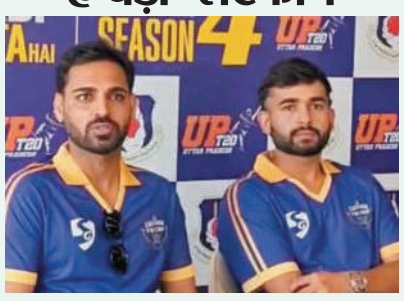

लखनऊ। यूपी टी20 लीग 2026 का आगाज 14 अगस्त से होगा। लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने लीग को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने टीम की तैयारियों और इस बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीद भी जताई। युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को अपने करियर के लिए अहम बताया। यूपी टी20 लीग की शुरुआत 14 अगस्त 2026 से होगी। टूर्नामेंट के मुकाबले दो शहरों लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट से पहले लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने मीडिया से बातचीत की। (फोटो सोर्स- विशेष व्यवस्था) यूपी टी20 लीग का नया सीजन 14 अगस्त से शुरू होना है। इस बार लीग के मुकाबले दो वेन्यू लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम और कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आगाज से पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने लीग के महत्व और अपनी टीम 'लखनऊ फाल्कन्स' की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर- लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने यूपी टी20 लीग को युवा प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद शानदार अवसर है। लीग में कई इंटरनेशनल खिलाड़ी खेल रहे हैं। युवा खिलाड़ियों को उनके साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलता है'' भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''खिलाड़ी अपनी योग्यता और प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ सकते हैं।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक रंजन ने लगाई हाफ सेंचुरी

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के 18वें मैच में सार्थक रंजन की कप्तानी वाली नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 7 विकेट से हरा दिया। ये नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की इस लीग में चौथे मैच में दूसरी जीत रही और इस टीम के फिलहाल 5 अंक हो चुके हैं। सार्थक रंजन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और वो इस सीजन में काफी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स

के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इसके बाद न्यू दिल्ली टाइगर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत के लिए 162 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक ने लगाई हाफ सेंचुरी- नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए पारी की शुरुआत करने वैभव कांडपाल और कप्तान सार्थक रंजन मैदान पर उतरे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 102 रन की शतकीय साझेदारी हुई, लेकिन वैभव 36 गेंदों पर 41 रन बनाकर आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 2 छक्के और 3 चौके भी लगाए और वो अपने अर्धशतक के करीब आकर उससे चूक गए।

अशिमता ने जीता कोरिया मास्टर्स

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अशिमता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त

अशिमता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

दूसरे गेम में अशिमता की वापसी

अशिमता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अशिमता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अशिमता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद की वापसी

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अशिमता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं। अशिमता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अशिमता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अशिमता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अशिमता के घुटने की सर्जरी हुई थी

अशिमता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने ख्क्क्स्र टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल

- *चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे*

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

- **सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया**- क्ष्ष्ट्ठ ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित क्ष्ष्ट्ठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टह्रश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।
- **प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया**- श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।
- वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।
- **नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की** - नामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

'खिलाड़ी मशीन नहीं'

फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण: कहा- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्श्व) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण क्ष्ष्ट्ठ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि ष्टश्श्व और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- ष्टश्श्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं- लक्ष्मण ने कहा- 'ष्टश्श्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।

लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है

लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100% से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा- खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। ष्टश्श्व के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं।

सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है

क्ष्ष्ट्ठ सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

यशस्वी ने डक पर आउट होने के बाद की शानदार वापसी

श्रीलंका 11 के खिलाफ 2 छक्के 9 चौकों के साथ लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लय में आ गए हैं और ये टीम इंडिया के लिए काफी सुखद खबर है। श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल पहली पारी में डक पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कमाल की वापसी की और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेलकर रिटायर आउट हुए।

यशस्वी जायसवाल ने लगाया अर्धशतक- पहली पारी में असफल रहने के बाद यशस्वी ने कमाल की वापसी दूसरी पारी में की और उन्होंने काफी आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की।

सिराज ने तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे।

ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी- वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में चरु राहुल ने कप्तानी की।

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली। ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्ड्श्व के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

- **ब्रॉक लैसनर बनाम बिग शो- स्मैकडाउन, जून 2003**- 2003 में WWE का एक दौर था जब ब्रॉक लैसनर और बिग शो के बीच खतरनाक राइवलरी देखने को मिलती थी। उसी बीच जून 2003 में ब्रॉक लैसनर और बिग शो का मुकाबला एक स्मैकडाउन के शो में हुआ। WWE चैंपियनशिप के लिए हो रहे इस मुकाबले में दोनों के बीच बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। इसी दौरान लैसनर ने रस्सी के ऊपर खड़े होकर 500 पाउंड के बिग शो को सुपरप्लेक्स दिया। जैसे दोनों रेसलर रिंग के बीच में गिरते हैं तो रिंग ही चारों तरफ से टूट गया। यह कंपनी के इतिहास में पहली बार देखने को मिला था। इसलिए यह मैच WWE में ब्रॉक लैसनर के सबसे यादगार फाइट्स में से एक है।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम जॉन सीना- WWE E&treme Rules 2012**- ब्रॉक लैसनर ने 2012 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कंपनी में वापसी की थी। उस समय उनकी राइवलरी थी जॉन सीना के साथ दोनों के बीच एक्ट्रीम रूल्स 2012 में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस मैच में दोनों रेसलर खून से लथपथ थे। लैसनर ने शुरुआती क्षणों में ही अपनी कोहनी से सीना का सिर लहूलुहान कर दिया था। इस मैच में इसके बाद मेटल चेन जैसे कई खतरनाक उपकरण भी इस्तेमाल हुए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम द अंडरटेकर- WWE No Mercy 2002**- ब्रॉक लैसनर ने 2002 में कंपनी में डेब्यू किया था। उस वक्त उनका नाम मेन रोस्टर में आत ही चर्चा का विषय था। लैसनर ने उस समय के दिग्गज हल्क होगन को हराकर सभी को चौंकाया था। फिर उनका सामना होना था डेडमैन द अंडरटेकर के साथ। नो मर्सी 2002 में दोनों की फाइट तय हुई। इस मैच को जाल में कराया गया। मैच शुरू होने के कुछ ही देर बाद अंडरटेकर के एक प्रहार से लैसनप का माथा लहूलुहान हो गया था। फिर लैसनर ने भी अंडरटेकर पर स्टील की सीढ़ियों से प्रहार किया और वह भी खून से लथपथ हो गए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम रोमन रेंस- WWE WrestleMania 31, 2014**- 2014 का यह वो दौर था जब लैसनर को दोबारा वापसी करे दो साल हो चुके थे। वहीं नए स्टार रोमन रेंस को कंपनी पुश कर रही थी। उसी बीच रेसलमेनिया 31 में दोनों का मैच फाइनल हुआ। उस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक लैसनर ने रोमन रेंस को खूब छकाया। इस मुकाबले में दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में दोनों फाइटर्स लहूलुहान थे। व

दिल्ली के 5 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पार्सल बुकिंग बंद

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी के मद्देनजर रेलवे ने 12 से 15 अगस्त तक दिल्ली के पांच प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पार्सल बुकिंग और हैंडलिंग पर रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों पर लागू रहेगा। भोपाल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के अनुसार, इस अवधि में इन स्टेशनों से आने-जाने वाले सभी प्रकार के पार्सल यातायात पर प्रतिबंध रहेगा। इसमें लीज पर संचालित द्वितीय श्रेणी लगेज रैक डिब्बे, पार्सल वैन और डिमांड पार्सल वैन भी शामिल हैं। प्लेटफॉर्म और पार्सल गोदाम रहेंगे खाली सुरक्षा व्यवसा के तहत इन स्टेशनों के पार्सल गोदाम और प्लेटफॉर्म को पार्सल पैकेज तथा पैकिंग सामग्री से पूरी तरह खाली रखा जाएगा। इस दौरान दिल्ली के इन पांच स्टेशनों पर पार्सल की लोडिंग और अनलोडिंग नहीं हो सकेगी। हालांकि यात्रियों को अपना निजी सामान यात्री डिब्बे में साथ ले जाने की अनुमति रहेगी। वहीं पंजीकृत समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की बुकिंग निर्धारित व्यावसायिक औपचारिकताओं और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद की जा सकेगी।

भाजपा नए-युवा चेहरों पर लगाएगी दांव!

2027 के निकाय चुनाव से भाजपा की तैयारी शुरू, सीधे चुनाव से बदलेगा निकायों का राजनीतिक समीकरण

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव 2028 से पहले भाजपा और कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है। भाजपा ने अगले वर्ष प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनावों को विधानसभा चुनाव से पहले की बड़ी राजनीतिक परीक्षा मानते हुए संगठनात्मक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी की नजर प्रदेश के 413 नगरीय निकायों पर है। भाजपा की रणनीति में इस बार सबसे बड़ा बदलाव नए और युवा चेहरों को आगे लाने का है। पार्टी स्तर पर यह विचार किया जा रहा है कि 30 से 50 वर्ष आयु वर्ग के नेताओं को पार्षद पद के लिए अधिक अवसर दिए जाएं। महापौर और अध्यक्ष पद के लिए 60 वर्ष से कम उम्र के चेहरों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। पार्टी गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को भी चुनावी मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। वर्ष 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में महापौर के साथ नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्षों के चुनाव भी प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाने की प्रक्रिया तय की गई है। यानी मतदाता सीधे अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। वर्ष 2022 के चुनाव में महापौर को छोड़कर नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष प्रणाली से हुआ था। इस बदलाव के कारण भाजपा ने अभी से संभावित उम्मीदवारों और संगठनात्मक समीकरणों पर काम शुरू कर दिया है। नगरीय विकास विभाग द्वारा वार्डों का पुनरीक्षण पूरा किया जा चुका है और राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का

प्रकाशन कर चुका है। ऐसे में अब राजनीतिक दलों के पास चुनावी तैयारी के लिए स्पष्ट आधार उपलब्ध है। एंटी-इनकमबेंसी से निपटने युवा चेहरों पर भरोसा भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन निकायों में है, जहां वर्तमान अध्यक्षों और पार्षदों को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष की स्थिति बनी हुई है। पार्टी संगठन मानता है कि लंबे समय से पदों पर बने रहने वाले चेहरों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर एंटी-इनकमबेंसी पैदा हो सकती है। इसीलिए पार्टी सत्ता और संगठन में पीढ़ी परिवर्तन की रणनीति को निकाय चुनावों में भी लागू करने की तैयारी में है। 30 से 50 वर्ष आयु वर्ग के नेताओं को पार्षद पदों पर प्राथमिकता देने और अध्यक्ष-महापौर के लिए अपेक्षाकृत युवा चेहरों को सामने लाने पर विचार चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में अपवाद की गुंजाइश भी रखी जाएगी।

अविश्वास प्रस्ताव की अवधि बढ़ाकर असंतोष थामने की कोशिश

नगरीय निकायों में अध्यक्षों के खिलाफ बढ़ते असंतोष और पार्षदों की गुटबाजी को नियंत्रित करने के लिए सरकार पहले ही अविश्वास प्रस्ताव के नियमों में बदलाव कर चुकी है। अध्यादेश और बाद में विधेयक के माध्यम से अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष की गई। वर्ष 2024-25 में शिवपुरी और देवरी समेत करीब सौ निकायों में अध्यक्षों के खिलाफ पार्षदों का असंतोष सामने आया था। सरकार ने अवधि बढ़ाकर चुनाव से ठीक पहले संभावित राजनीतिक विद्रोह को रोकने की कोशिश की। इसके साथ ही अध्यक्ष को हटाने के लिए आवश्यक पार्षदों की संख्या भी बढ़ाई गई। पहले दो-तिहाई पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता थी।

आमने-सामने की तैयारी

भाजपा के लिए 2027 के नगरीय निकाय चुनाव स्थानीय स्तर पर अपनी पकड़ और संगठन की ताकत परखने का मौका होंगे। वहीं कांग्रेस इन्हीं चुनावों के राजनीतिक परिणामों और स्थानीय मुद्दों को 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए इस्तेमाल करने की रणनीति बना सकती है। इस तरह अगले वर्ष होने वाले निकाय चुनाव प्रदेश की राजनीति में सिर्फ स्थानीय सत्ता का चुनाव नहीं रहेंगे, बल्कि दोनों प्रमुख दलों के लिए 2028 की बड़ी चुनावी लड़ाई का सेमीफाइनल भी साबित हो सकते हैं।

डॉक्टर-नर्स की सुरक्षा की जिम्मेदारी संस्थान प्रमुख की

- लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने जारी किया आदेश-अस्पताल में हिंसा पर अब ढिलाई नहीं, 6 घंटे में एफआईआर

भोपाल। अस्पताल में इलाज को लेकर विवाद हुआ और डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी से मारपीट की तो मामला अब सिर्फ बहस या आपसी विवाद मानकर टाला नहीं जा सकेगा। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर सरकार ने अस्पताल प्रबंधन की जवाबदेही तय करते हुए साफ निर्देश दिए हैं कि हिंसा की घटना होने पर अधिकतम छह घंटे के भीतर संस्थागत एफआईआर की कार्रवाई करनी होगी। सरकारी के साथ निजी चिकित्सा संस्थान भी इस व्यवस्था के दायरे में होंगे। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों को जारी निर्देश में अस्पतालों को सुरक्षित और भयमुक्त बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की पूरी रूपरेखा तय की है। अब अस्पतालों में सुरक्षा का मतलब केवल गार्ड खड़ा करना नहीं होगा। प्रवेश नियंत्रण से लेकर सीसीटीवी, रात की गश्त, पर्याप्त रोशनी, पुलिस से सीधा संपर्क और सुरक्षा ऑडिट तक की जिम्मेदारी तय की गई है। मरीज के साथ भीड़ नहीं, 1-2 परिजन ही अस्पतालों में अनावश्यक भीड़ और विवाद की आशंका कम करने के लिए विजिटर पास व्यवस्था लागू करने को कहा गया है। सामान्य तौर पर एक मरीज के साथ अधिकतम एक से दो परिजनों को प्रवेश देने की व्यवस्था होगी। संवेदनशील क्षेत्रों में आम लोगों और मरीजों के परिजनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी। अस्पतालों के प्रवेश द्वार, ओपीडी, कैजुअल्टी और दूसरे महत्वपूर्ण स्थानों पर स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा से जुड़े कानून और सजा के प्रावधानों की जानकारी हिंदी और अंग्रेजी में बड़े बोर्ड पर प्रदर्शित करनी होगी।

चार युवाओं ने बनाई नशे में ड्राइविंग रोकने वाली स्मार्ट डिवाइस

ड्राइवर नशे में होगा तो गाड़ी चलेगी ही नहीं

भोपाल। पहले टेस्ट, फिर स्टार्ट... इसी सोच के साथ इंदौर के चार युवाओं ने एक ऐसी डिवाइस तैयार की है, जो नशे में वाहन चलाने वालों के लिए सख्त दीवार बनकर खड़ी होगी। गाड़ी में फिट होते ही यह डिवाइस ड्राइवर से नशे का टेस्ट मांगेगी। बिना टेस्ट दिए गाड़ी का इंजन स्टार्ट ही नहीं होगा। इंदौर के युवाओं ने इस स्मार्ट तकनीक को सेफइग्नाइट नाम दिया है। नशे में होते हादसों की बढ़ती संख्या देखकर एक दिन सीए कर रहे शहर के ईशान गर्ग ने सोचा कि क्यों न कुछ ऐसा हो कि नशा किया व्यक्ति गाड़ी स्टार्ट ही न कर सके। उन्होंने तीन साल पहले इस पर अपने 3 दोस्तों के साथ मिलकर काम किया और अब इस तरह की डिवाइस बनकर तैयार है कि अगर ये किसी गाड़ी में लगा दी जाए तो गाड़ी तब तक शुरू नहीं होगी, जब तक कि उसे चलाने वाला टेस्ट नहीं दे देगा, भले ही वो नशे में हो या न हो। टेस्ट देने के बाद जब तक सॉफ्टवेयर हां नहीं कर देगा गाड़ी स्टार्ट ही नहीं होगी। फाउंडर ईशान गर्ग बताते हैं कि यह पूरी तरह से टैंपरप्रूफ और वायप्रूफ है। इस डिवाइस के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। एक हार्डवेयर गाड़ी में इंस्टॉल होता है और हम एक सॉफ्टवेयर देते हैं, जो आपस में कनेक्टेड है। दो से तीन सेकंड का एक छोटा सा टेस्ट होता है और इस टेस्ट को पास करने के बाद ही गाड़ी स्टार्ट होती है। अगर गाड़ी चलाने वाला नशे में पाया जाता है तो गाड़ी का इग्निशन अपने आप लॉक हो जाता है और अलार्म बज जाता है। सबसे खास बात यह है कि डिवाइस गाड़ी चलाने वाले की हर 10 मिनट में फोटो खींचकर सॉफ्टवेयर पर भेजती रहती है, ताकि यह पता चलता रहे कि जिसने टेस्ट दिया है, वही गाड़ी चला रहा है।

ऑन डिमांड टेस्ट ऑप्शन भी

डिवाइस के सॉफ्टवेयर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि मुख्य एक्सेस इस सॉफ्टवेयर से कभी भी ऑन डिमांड टेस्ट कर सकेगा। डिवाइस पर एक कॉल ऑप्शन आएगा, जो गाड़ी के चालक को एक्सेप्ट करके उसी वक्त टेस्ट देना होगा।

8 महीने से चल रही थी टेस्टिंग

डिवाइस के तैयार होते ही पिछले 8 महीने से इसका टेस्ट चल रहा था। चारों दोस्त अभी तक भोपाल में कुछ ट्रेवल कंपनी, ट्रक मालिकों, बस मालिकों को इसका डेमो दे चुके हैं। इंदौर पुलिस कमिश्नर के सामने भी इसका डेमो हुआ है। टीम बताती है ।

3 साल लगातार किया काम

सेफइग्नाइट पर 25 साल के ईशान गर्ग, उत्कर्ष सिंह, ऋतिक गर्ग और अनिकेत बुधवानी ने 2023 में काम शुरू किया था। 3 साल की मेहनत के बाद अब चारों ने भारत की ऐसी अपनी पहली डिवाइस बना दी है और इसका पेटेंट भी फाइल कर दिया है। उनका उद्देश्य यह था कि सफर सुरक्षित हो।

मूसलाधार बारिश से घरों में घुसा पानी, गृहस्थी का सामान भीगा

राजधानी में आफत की बारिशः 50 से ज्यादा इलाकों में जलभराव

भोपाल। राजधानी में मानसून की तेज बारिश ने मंगलवार को शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। रातभर हुई तेज बारिश के बाद शहर के 50 से ज्यादा निचले इलाकों में जलभराव हो गया। कई स्थानों पर नाले उफनकर सडकों पर आ गए, जबकि निचली बस्तियों और कॉलोनियों में घरों के अंदर तक पानी पहुंच गया। सेमरा, शबरी नगर, कैलाश नगर, अशोका गार्डन, वसुंधरा कॉलोनी, जगदीशपुर, पटेल नगर, कॉन्फर्ट ग्रीन कॉलोनी, साईं बाबा रेजीडेंसी, मालीखेड़ी, जानकी अपार्टमेंट और अयोध्या बायपास सहित कई क्षेत्रों में लोग सुबह से पानी निकालने की जद्दोजहद करते नजर आए। भोपाल में बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित सेमरा क्षेत्र रहा। यहां कुछ स्थानों पर घरों के आसपास करीब पांच फीट तक पानी भर गया। पानी घरों में घुसने से गृहस्थी का सामान भीग गया। कई घरों में सांप घुसने की भी सूचना रही, जबकि जलभराव के कारण सडक पर खड़ी कारें आधी तक डूब गईं। सेमरा के हर निचले इलाके में पानी अशोका गार्डन से सेमरा की ओर जाने वाले रास्ते में पातरा नाला गुजरता

है। रात में हुई तेज बारिश के बाद नाला उफान पर आ गया। सुबह करीब पांच बजे से सेमरा के 500 से ज्यादा घरों के आसपास पानी भरना शुरू हो गया। लोग नींद से जागे तो चारों तरफ पानी ही पानी नजर आया। स्थानीय निवासी मनोज ठाकुर ने बताया कि सेमरा के लगभग हर निचले इलाके में पानी भर गया है। नाले के एक तरफ कुछ लोगों ने पहले ही पांच से छह फीट ऊंचाई पर मकान बना लिए हैं, लेकिन तेज बारिश में उन घरों तक भी पानी पहुंच गया। स्थानीय निवासी शेर सिंह ने कहा कि यह समस्या हर साल सामने आती है। मजदूर परिवारों के लिए बारिश के दौरान काम पर जाना मुश्किल हो जाता है। वहीं मनीष कुमार ने बताया कि नाले की सफाई ठीक से नहीं हुई है और उसमें कचरा भरा हुआ है। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधि चुनाव के समय वोट तो मांगते हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। घरों में घुटनों तक पानी, गृहस्थी का सामान भीगा स्थानीय निवासी हेम बंसल ने बताया कि क्षेत्र में नाली और सडक की उचित व्यवस्था नहीं है। जब भी तेज बारिश होती है, घरों में पानी भर जाता है। मंगलवार रात पानी घुटनों तक भर गया और पलंग सहित गृहस्थी का सामान भीग गया। लोगों का कहना है कि जलभराव की समस्या नई नहीं है। हर साल बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान के बजाय केवल अस्थायी राहत दी जाती है।

नालों की सफाई के दावों की खुली पोल

भोपाल में 100 से ज्यादा बड़े नाले हैं। मानसून से पहले नगर निगम और मौसम विभाग की ओर से नालों की सफाई के दावे किए गए थे। निगम की ओर से नालों की सफाई पूरी होने की बात भी कही गई थी, लेकिन करीब 24 घंटे की तेज बारिश ने इन दावों की हकीकत सामने ला दी। सेमरा से गुजरने वाले पातरा नाले की स्थिति इसका बड़ा उदाहरण रही। पुलिया के पास गाद, प्लास्टिक और अन्य कचरा जमा होने से नाले का पानी निकलने में परेशानी हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बारिश से पहले निगम की टीम क्षेत्र में आई थी, लेकिन नाले की पर्याप्त सफाई नहीं की गई। रहवासियों का कहना है कि नाले में जमा कचरे के कारण पानी का बहाव रुक गया और देखते ही देखते पानी आसपास की बस्तियों में घुस गया। लोगों ने नगर निगम से नालों की नियमित सफाई और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।

जीएसटी रिवीजन के आदेश की होगी समीक्षा

- प्रदेश में पहली बार एक नई व्यवस्था को देंगे आकार

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के जीएसटी विभाग में अब यह नई व्यवस्था प्रभावित की जा रही है, जिसमें रिवीजन के आदेश की समीक्षा की जाएगी। किस तरह की व्यवस्था को पहली बार आकार देने की कोशिश की जा रही है। जीएसटी विभाग में किसी भी फर्म पर जीएसटी चोरी का मामला सामने आने पर उसे पर टैक्स की राशि का अधिरोपण किया जाता है। कई बार ऐसा होता है जब संबंधित फार्म द्वारा विभाग की ओर से लगाई गई टैक्स की राशि को गलत ठहराते हुए रिवीजन के माध्यम से उस आदेश को चुनौती दी जाती है। विभाग में यह नई व्यवस्था हो गई है कि रिवीजन के जो आवेदन लगाए जाते हैं, उन आवेदनों की ऑनलाइन सुनवाई किसी भी अधिकारी द्वारा की जाती है। इसमें आवेदन लगाने वाले व्यापारी अथवा व्यापारिक फॉर्म को यह मालूम नहीं पड़ता है कि उनके आवेदन की सुनवाई पूरे प्रदेश में कौन से स्थान पर पदस्थ किस अधिकारी द्वारा की जा रही है, इस तरह की व्यवस्था को जीएसटी विभाग द्वारा आकार दिया जा चुका है।

भोपाल में सीलिंग पर सरकार की तैयारी

मास्टर प्लान जल्द, व्यापारी-रहवासी आमने-सामने, कार्रवाई की मांग तेज

भोपाल। राजधानी के आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई के बीच अब मामला सिर्फ सीलिंग तक सीमित नहीं रह गया है। व्यापारियों की मांग है कि वर्षों से व्यावसायिक गतिविधियां चल रहे चौड़े मार्गों को व्यावसायिक या अर्ध-व्यावसायिक क्षेत्र का दर्जा दिया जाए, जबकि रहवासी और याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि आवासीय भूखंडों पर नियमों के विपरीत बने व्यावसायिक निर्माण पर कार्रवाई जरूरी है। इस बीच सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का पालन कराने के साथ दोनों पक्षों को राहत देने का रास्ता तलाशने की बात कही है। आदेशों का पालन भी होगा, नागरिकों को राहत भी देंगे नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि सरकार और नगर निगम इस बात के लिए संकल्पित हैं कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का पालन हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा

कि सरकार इस मामले में गंभीर है और बेहतर से बेहतर कानूनी कदम उठाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रहवासी चाहते हैं कि आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां न हों, वहीं व्यापारियों का कारोबार कई वर्षों पुराना है। ऐसे में दोनों पक्षों को ध्यान में रखकर समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है। मास्टर प्लान को लेकर सरकार की तैयारी सीलिंग विवाद के बीच मास्टर प्लान को लेकर भी सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि लंबे समय से नया मास्टर प्लान नहीं आने के कारण शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप नए व्यावसायिक क्षेत्र विकसित नहीं हो सके। इस पर किशन सूर्यवंशी ने कहा कि सरकार लगातार मास्टर प्लान तैयार करने में जुटी है। भोपाल में महानगरीय क्षेत्र की दृष्टि से जो नए क्षेत्र जोड़े जा रहे हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए व्यापक विकास योजना बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित सरकार इस मामले को लेकर गंभीर है और जल्द ही यह योजना शहर के सामने आने की बात कही गई है। मास्टर प्लान नहीं है तो नियम तोड़ने की छूट भी नहीं मामले के याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों का विरोध किया है। उनका कहना है कि अरेरा कॉलोनी सहित कई आवासीय क्षेत्रों में आवासीय भूखंडों का इस्तेमाल व्यावसायिक निर्माण के लिए किया गया।

एम्स भोपाल की नई जांच से एमडीआर-टीबी के इलाज में बड़ी राहत

- अब 2 दिन में पता चलेगी कौन-सी दवा असरदार

भोपाल। दवा-प्रतिरोधी टीबी यानी एमडीआर-टीबी के मरीजों के इलाज में सही दवा चुनना बड़ी चुनौती है। अब एम्स भोपाल के विशेषज्ञों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण काम किया है। डॉक्टरों ने जीनोटाइप एमटीबीडीआरएसएल जांच विकसित की है, जिससे मरीज में दवा प्रतिरोध का पता करीब दो दिन में लगाया जा सकेगा। पहले ऐसी जांच की रिपोर्ट आने में चार से छह सप्ताह तक लग जाते थे। इस देरी के कारण डॉक्टरों को कई बार अनुमान के आधार पर उपचार शुरू करना पड़ता था। नई जांच से कम समय में यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि मरीज पर कौन-सी दवा प्रभावी रहेगी। 74 मरीजों पर किया गया अध्ययन एम्स के माइक्रोबायोलॉजी, पल्मोनरी मेडिसिन और ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञों ने 74 एमडीआर-टीबी मरीजों पर इस जांच का परीक्षण किया। इसमें करीब 19 प्रतिशत मरीजों में फ्लोरोक्विनोलोन दवाओं के प्रति प्रतिरोध मिला। शोध में यह भी सामने आया कि दवा के असर को प्रभावित करने का एक कारण टीबी के जीवाणु में जीआर-ए जीन में बदलाव है। नई जांच ऐसे आनुवंशिक बदलावों की पहचान करने में मदद करती है। सरकारी प्रयोगशालाओं में भी हो सकती है जांच इस तकनीक की खासियत यह है कि इसके लिए बहुत महंगी मशीन की जरूरत नहीं है।

एसटीएफ की तर्ज पर शस्त्र, वायरलेस सेट और आधुनिक वाहन देने की मांग

रेत माफिया से निपटने तैनात 34 वनरक्षक, हथियार और सुरक्षा उपकरण नहीं मिले

भोपाल। मुरैना में रेत माफिया पर कार्रवाई के लिए वन विभाग ने 34 वनरक्षकों को विशेष रूप से मुरैना वन मंडल सामान्य में पदस्थ किया है, लेकिन इन कर्मचारियों को आत्मरक्षा के लिए पर्याप्त शस्त्र और आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराए जाने का मामला सामने आया है। मध्यप्रदेश वन कर्मचारी मंच ने इस पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर वनकर्मियों को पुलिस की एसटीएफ शाखा के समान सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि रेत माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने वाले वनकर्मी लगातार जोखिम में काम कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें न तो पर्याप्त शस्त्र उपलब्ध कराए गए हैं और न ही आत्मरक्षा के लिए आवश्यक आधुनिक संसाधन। वन कर्मचारी मंच ने मुरैना वन मंडल के वनरक्षक हरिकेश गुर्जर की घटना का हवाला देते हुए कहा कि रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर उनकी हत्या कर दी थी। संगठन का कहना है कि इस घटना ने वन कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए थे। मंच के मुताबिक, इस मामले के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने रेत माफिया से निपटने के लिए वन विभाग के कर्मचारियों को शस्त्र, वायरलेस सेट और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उन्हें अधिकार संपन्न बनाने के निर्देश दिए थे। संगठन का आरोप है कि इन निदेर्शों के बावजूद राज्य में वन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए अब तक प्रभावी व्यवस्था नहीं बन सकी है। बिना हथियार माफिया का सामना करना मुश्किल मंच का कहना है कि रेत का अवैध कारोबार करने वाले गिरोह संगठित और आपराधिक प्रवृत्ति के होते हैं। ऐसे में वनकर्मियों को बिना पर्याप्त सुरक्षा संसाधनों के उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए भेजना उनकी जान को जोखिम में डालना है। संगठन के अनुसार, वन कर्मचारियों को शस्त्र देने के साथ उन्हें शस्त्र संचालन का अधिकार भी दिया जाना चाहिए। इसके अलावा वायरलेस सेट, आधुनिक वाहन और अन्य हाईटेक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाने की जरूरत है, ताकि कार्रवाई के दौरान वनकर्मी आपस में और पुलिस-प्रशासन के साथ तत्काल संपर्क कर सकें। एसटीएफ की तर्ज पर सुरक्षा व्यवस्था की मांग वन कर्मचारी मंच ने सरकार से मांग की है कि रेत माफिया के खिलाफ अभियान में तैनात वनकर्मियों को पुलिस की एसटीएफ शाखा की तर्ज पर शस्त्र और सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। संगठन का कहना है कि केवल कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने से रेत माफिया पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकती, बल्कि उन्हें पर्याप्त अधिकार और संसाधन भी देने होंगे। मंच ने मुख्यमंत्री से सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों का पालन सुनिश्चित कराने और वन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल ठोस नीति बनाने की मांग की है। वनकर्मियों की प्रमुख मांगें रेत माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने वाले वनकर्मियों को शस्त्र उपलब्ध कराए जाएं। शस्त्र संचालन के लिए आवश्यक अधिकार और प्रशिक्षण दिया जाए। प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र में वायरलेस सेट उपलब्ध कराए जाएं।

साल का दूसरा एवं अंतिम सूर्यग्रहण 12-13 अगस्त की रात

- 4 घंटे 31 मिनट का होगा ग्रहण, मोक्ष की स्थिति 13 अगस्त को मध्य रात्रि 01:27:09 बजे पर

भोपाल। इस वर्ष का द्वितीय एवं अंतिम सूर्यग्रहण अमावस्या 12-13 अगस्त को होगा। यह पूर्ण सूर्यग्रहण होगा। भारतीय मानक समय के अनुसार ग्रहण रात्रि 09:04:3 बजे से मध्य रात्रि 01:27:09 तक होगा। सूर्यग्रहण एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना होती है। सूर्यग्रहण तब होता है जब सूर्य और पृथ्वी के बीच चन्द्रमा आ जाता है। बुधवार रात को खगोलीय घटना होने जा रही है। जो की सूर्य ग्रहण के रूप में होगी। वेधशाला के अधीक्षक राजेंद्र गुप्त ने बताया कि चन्द्रमा दीर्घवृत्ताकार कक्षा में पृथ्वी की परिक्रमा करता है जिससे कभी-कभी अमावस्या को पृथ्वी तथा सूर्य के मध्य एक सीध में स्थित होता है। पूर्ण ग्रहण की स्थिति तब होती है जब चन्द्रमा, पृथ्वी से पास की स्थिति में पृथ्वी तथा सूर्य के मध्य आता है जिससे वह सूर्य को पूरा ढंक लेता है। ग्रहण की अवधि 4 घंटे 31 मिनट तक होगा ग्रहण पूर्ण सूर्यग्रहण का प्रारंभ 12 अगस्त को भारतीय मानक समय के अनुसार रात्रि 09:04:3 बजे से होगा। मध्य की स्थिति दिनांक 12 अगस्त 2026 को मध्य रात्रि 11:15:09 बजे पर होगी। इस समय सूर्य का 103.8 प्रतिशत भाग चंद्रमा के द्वारा ढक लिया जाएगा। जिससे कुछ समय के लिए अंधकार की स्थिति बन जाएगी। मोक्ष की स्थिति 13 अगस्त को मध्य रात्रि 01:27:09 बजे पर होगी। ग्रहण की अवधि 4 घंटे 31 मिनट तक रहेगी। भारत में इस समय रात्रि होने के कारण यह पूर्ण सूर्यग्रहण दृश्य नहीं होगा। यह सूर्यग्रहण पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, ग्रीनलैण्ड, उत्तरी अटलांटिक महासागर एवं उत्तरी प्रशांत महासागर में बहुत अच्छी प्रकार से देखा जा सकेगा।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)